पेज : 2

पेज : 4

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 27 मार्च 2025, वर्ष : 9, अंक : 01 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

तमिलनाडु में भाषा विवाद के बीच अमित शाह से मिले पलानीस्वामी, भाजपा-अन्नाद्रमुक में गठबंधन की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी): अन्नाद्रमुक महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की। ऐसा कहा जा रहा है कि अन्नाद्रमुक राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के साथ दोबारा गठबंधन कर सकती है। यह जानकारी सूत्रों ने दी। तमिलनाडु में हिंदी थोपे जाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई सूत्रों के अनुसार, अन्नाद्रमुक के नेता ने शाह के साथ तमिलनाडु में हिंदी थोपे जाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने इस पर अपनी पार्टी के विचारों को साझा किया। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने भाजपा के राज्य नेतृत्व के साथ कुछ मतभेदों के

बाद 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले सितंबर 2023 में नाता तोड़ लिया था। इससे पहले अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। उन्हें भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई की आक्रामक राजनीतिक शैली से उत्पन्न स्थिति से अवगत कराया था। अन्नाद्रमुक नेताओं ने द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुरई पर की गई टिप्पणी के लिए अन्नामलाई से माफी मांगने या उन्हें हटाने की मांग की थी। अन्नामलाई ने पिछले कुछ समय से अन्नाद्रमुक की आलोचना कम कर दी है। ऐसा माना जा रहा है कि यदि अन्नाद्रमुक और भाजपा में फिर से गठबंधन होता है तो वे राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत आइएनडीआइए गठबंधन को कड़ी चुनौती देंगे। विगत कुछ वर्षों में राज्य में अन्नाद्रमुक के वोट शेयर में गिरावट आई है। स्टालिन के हिंदी थोपने के बयान से उनका गुप्त एजेंडा आया सामने : अन्नामलाई तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के आरोपों को खारिज करते हुए राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लेखित तीन भाषा नीति का उद्देश्य छात्रों को कई भाषाएं सीखने का अवसर प्रदान करना है। यह च्हदी थोपने का प्रयास नहीं है। एक्स पर अन्नामलाई ने कहा कि नीति को हिंदी थोपने के प्रयास के रूप में गलत तरीके से पेश कर मुख्यमंत्री ने डीएमके के छिपे हुए एजेंडे को सामने ला दिा है। उनकी बातों से लगता है कि केवल वे लोग ही कई भाषाएं सीख सकते हैं जिनके पास पैसा है। अन्नामलाई ने कही ये बात स्कूल शिक्षा विभाग के नीति नोट का हवाला देते हुए अन्नामलाई ने बताया कि तमिलनाडु सरकार ने स्वयं संस्कृत और अन्य भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण धन आवंटित किया था।

27 सालों बाद दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत किया

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश कर रही हैं। यह 27 सालों बाद दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा पहला बजट है। सीएम ने अपने भाषण में कहा कि यह बजट बुनियादी ढांचे शिक्षा स्वास्थ्य सेवा परिवहन और प्रदूषण नियंत्रण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है।

बिहार में पानी लूटने के लिए बनाई जा रही सड़कें, कन्हैया कुमार का दावा, बीजेपी ने ऐसे कसा तंज

बिहार: कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने यह आरोप लगाकर बहस छेड़ दी है कि उद्योगपति नई सड़क परियोजनाओं की आड़ में बिहार के जल संसाधनों को निशाना बना रहे हैं। कन्हैया ने दावा किया कि जिस तरह से दुनिया में पानी खत्म हो रहा है, उसी तरह दुनिया के पूंजीपतियों और व्यापारियों की नजर बिहार के पानी पर है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बिहार में विकास परियोजनाएं लाकर राज्य के जल संसाधनों को लूट रही है। कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार में भारतमाला परियोजना पर काम चल रहा है, इसे क्यों बनाया जा रहा है? अगर बिहार के पास कुछ नहीं है, तो सड़कें क्यों बनाई जा रही हैं? बिहार के पास कुछ ऐसा है जिसके लिए दुनिया तरसेगी। बिहार के पास पानी है। पानी पेट्रोल से भी ज्यादा कीमती हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब वास्तव में औद्योगिकीकरण होना चाहिए था, तब ऐसा नहीं हुआ। अब जब उद्योग अपने आप लग गए हैं

आप सरकार के कार्यकाल में पहली बार राजस्व घाटे में गई थी दिल्ली, चौंकाने वाले तथ्य आए सामने

नई दिल्ली (एजेंसी): वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली की भाजपा सरकार ने एक लाख करोड़ का बजट पेश किया है तो आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल में मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में राजधानी पहली बार राजस्व घाटे में आई थी। 1993 से लेकर अब तक 32 साल में दोनों ही तथ्य पहली बार सामने आए हैं और आप एवं भाजपा सरकार के बजट का फर्क प्रस्तुत करते हैं। बीते अक्टूबर में केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी गई एक रिपोर्ट में दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने स्वयं आप सरकार के कार्यकाल में यह स्थिति बयां की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि कर राजस्व, गैर-कर राजस्व, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत प्राप्तियों और केंद्र से अनुदान से दिल्ली की

कमाई-वित्तीय वर्ष के अंत तक बजटीय अनुमान 64,142 करोड़ रुपये से घटकर 62,415 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इस बीच राजस्व व्यय 60,911 करोड़ रुपये से बढ़कर 63,911 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। यानी 1,495.48 करोड़ रुपये की कमी। वित्त विभाग के बजट प्रभाग ने 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए संशोधित अनुमान तैयार करते समय ये अनुमान लगाए थे। राजस्व व्यय के लिए बताई थी अतरिक्त जरूरत सूत्रों के मुताबिक, वित्त विभाग ने चालू वित्त वर्ष में विभिन्न राजस्व व्यय के लिए 3,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आवश्यकता मानी थी। इन्हें 2024-25 के बजट अनुमानों में शामिल नहीं किया गया था। अधिकारियों का अनुमान था कि कुल व्यय (राजस्व और पूंजी दोनों) बजटीय राशि से 7,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। इस दृष्टि से भाजपा सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए जो बजट पेश किया है, वो दिल्ली सरकार को इस घाटे से उबारता हुआ दिख रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि वर्ष 2025-26 के बजट में 31.5 प्रतिशत की वृद्धि देशभर में सर्वाधिक है। खास बात यह है कि भाजपा सरकार अपने इस बजट को केंद्र सरकार पर निर्भरता से अलग अपने दम पर प्रस्तुत किया है। रेखा गुप्ता ने भी अपने बजट भाषण में स्वीकार किया कि पूर्ववर्ती आप सरकार के कार्यकाल में वित्त वर्ष 2023-24 का बजट कागजों में 78,800 करोड़ का दिखाया गया,

'ओम बिरला ने मुझे चुप कराया', स्पीकर पर भड़के राहुल गांधी; कहा- संसद में बोलने नहीं दिया जाता

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस सांसद और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वो जब भी सदन में कुछ भी बोलने के लिए खड़े होते हैं तो उनको बोलने नहीं दिया जाता है। उन्होंने ये बात तब कही, जब सदन में राहुल बोलने के लिए खड़े हुए थे और कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था। राहुल ने क्या आरोप लगाया? लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में राहुल गांधी को नियमों का पालन करने की नसीहत दी थी। इस नसीहत पर राहुल गांधी कुछ बोलना चाहते थे इसलिए वो खड़े हुए थे, तभी सदन की कार्यवाही ही स्थगित कर दी गई। सूत्रों के मुताबिक, सदन के अंदर राहुल गांधी अपनी बात नहीं बोल पाए थे। इसके बाद राहुल ने बाहर आकर

मीडिया से बात की और कहा कि उन्हें बोलने नहीं दिया गया। इससे पहले ओम बिरला ने राहुल गांधी को सदन के आचरण और मर्यादा का पालन करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा था कि ऐसी कुछ घटनाएं आई है जो कि सदन के लिहाज से ठीक नहीं थी, लिहाजा सदन की गरिमा का पलन करें।क्या बोले थे ओम बिरला? लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा था, "आप सभी से अपेक्षा की जाती है कि आप सदन में सदन की मर्यादा और शालीनता की उच्च मानदंडों को बनाए रखें। सदन में मेरे संज्ञान में ऐसी कई घटना है, यह सदस्य और उनके आचरण, सदन की उच्च परंपरा के अनुरूप नहीं है।" उन्होंने आगे कहा था, "इस सदन में पिता-पुत्री, मां-बेटी और पति-पत्नी सदस्य रहे हैं। इस परिपेक्ष में मेरी नेता प्रतिपक्ष से यह अपेक्षा है कि लोकसभा प्रक्रिया का 349 के तहत सदन में आचरण और व्यवहार करें।"

संसद में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सदन के अदर उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा कि वो बोलने के लिए खड़े हुए थे तभी सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

पत्रकार दिलवर हुसैन मोजुमदार की गिरफ्तारी से आक्रोश

गुवाहाटी/ भव्य खबर/ प्रमोद मल्ल । वरिष्ठ पत्रकार दिलवर हुसैन मोजुमदार की गिरफ्तारी से लोगों में भारी आक्रोश है। पुलिस ने पत्रकारों और उनके वकील को असम के गुवाहाटी के पानबाजार पुलिस स्टेशन में प्रवेश से मना कर दिया। पुलिस ने मोजुमदार का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया और हिरासत के दौरान सभी तरह के संपर्क काट दिए। गुवाहाटी प्रेस क्लब ने इस घटना की कड़ी निंदा की और मोजुमदार की तत्काल रिहाई की मांग की। अध्यक्ष सुष्मिता गोस्वामी और महासचिव संजय रॉय ने कहा कि अपने कर्तव्य का पालन करने वाले एक पत्रकार को हिरासत में लेना "बेहद चिंताजनक" है और उन्होंने अधिकारियों से प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने का आग्रह किया। मोजुमदार को बैंक के मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान एपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक डंबरू सैकिया से पूछताछ करने के बाद हिरासत में लिया गया था। वह एपेक्स बैंक में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जातीय युवा शक्ति द्वारा किए गए प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। मोजुमदार के सवालों का जवाब देने के बजाय बैंक अधिकारियों ने पुलिस को बुला लिया, जिसके कारण मंगलवार आधी रात के आसपास उन्हें हिरासत में लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना की मीडिया बिरादरी ने तीखी आलोचना की है और कई लोगों ने इसे पत्रकारों को डराने की कोशिश के तौर पर देखा है। मोजुमदार अब प्रेस की स्वतंत्रता और पुलिस से जवाबदेही की बढ़ती मांग के केंद्र में हैं। मीडिया निकाय और नागरिक अधिकार समूह पुलिस की कार्रवाई में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं, जिससे असम में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने कहा कि उन्हें 351(2) यूएनएस आर/डब्ल्यू धारा 3[1](आर) अनुसूचित जाति और अनुसूचित

जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015) के तहत गिरफ्तार किया गया था।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई), गुवाहाटी प्रेस क्लब और असम महिला पत्रकार मंच समेत कई मीडिया संगठनों ने डिजिटल मीडिया के पत्रकार दिलवर हुसैन मोजुमदार की गिरफ़्तारी की निंदा की और उनकी रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्य का पालन करने वाले पत्रकार की गिरफ़्तारी बेहद चिंताजनक है और अधिकारियों से प्रेस की आजादी को बनाए रखने का आग्रह किया।

महादेवी वर्मा साहित्यिक जगत की एक अमूल्य धरोहर - राजीव रंजन

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । पद्म सम्मान, ज्ञानपीठ सम्मान, अकादमी सम्मान सहित कई अन्य पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित छायावाद की एक महत्वपूर्ण स्तंभ महादेवी वर्मा न केवल साहित्य जगत की, बल्कि देश की एक अमूल्य धरोहर हैं।

80 साल के जीवनकाल में उन्होंने महान कवियित्री, प्राचार्य, उप-कुलाधिपति तथा स्वतंत्रता सेनानी जैसे अनेक प्रकार के रुप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये बातें के ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष एवं जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस द्वारा आयोजित स्व महादेवी वर्मा की जयंती के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा हिन्दी की सर्वाधिक प्रतिभावान कवयित्रियों में से हैं। उन्हें आधुनिक मीरा भी कहा गया है।

श्री प्रसाद ने कहा कि वे छायावादी युग की प्रमुख कवियों में से एक थीं।

उनकी प्रसिद्ध काव्य रचनाएँ हैं- नीहार,

रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा और यामा। यामा के लिए उन्हें 1982 में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कविता के अलावा, उन्होंने रेखाचित्र और संस्मरण जैसे गद्य साहित्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनकी गद्य रचनाएँ हैं- पथ के साथी, अतीत के चलचित्र तथा स्मृति की रेखाएँ।

उन्हें हिंदी साहित्य में भाषा पर सहज अधिकार के लिए जाना जाता है।

इस अवसर पर जीकेसी की प्रबंध न्यासी श्रीमती रागिनी रंजन ने कहा कि वे प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्रधानाचार्या भी रहीं। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से भी सम्मानित किया गया। हिंदी साहित्य के महान कवि निराला उन्हें सरस्वती नाम से पुकारते थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जीकेसी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक कर रहे थे।

सीसीसीआई के ग्लोबल चेयरमैन नवीन कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।

राजेश कुमार डब्लू,सर्वश्री संजय कुमार सिन्हा, डॉ नम्रता आनंद, नीलेश रंजन, धनंजय प्रसाद, मुकेश महान, दीप श्रेष्ठ, आशुतोष ब्रजेश, दिलीप कुमार सिन्हा, राकेश मणि, अरविंद प्रियदर्शी, राहुल मणि, विनीता कुमारी, बलिराम श्रीवास्तव,र वि शंकर प्रसाद सिन्हा, रवि सहाय, सरोज कुमार सिन्हा, प्रियदर्शी हर्षवर्धन, नित्यानंद प्रसाद, कुंदन कुमार, राजकुमार, प्रेम पंकज कुमार, राजीव, अजीत प्रकाश, श्रेयंकर सिन्हा, अमरेंद्र कंठ, ऋषि राज, डॉ कृष्ण गोपाल सिन्हा, अरविंद अकेला, संदीप स्नेह, आलोक कुमार, मीता सिन्हा, डॉ पूनम शरण, स्नेह लता, डॉ निशा पाराशर, नबीस नवेंदु, रवीन्द्र किशोर सिन्हा, अतुल श्रीवास्तव, सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) से आए सिद्दार्थ श्रीवास्तव सहित कई लोग उपस्थित थे। ।

डेड बॉडी रखकर प्रदर्शन करने पर तीन साल की जेल, हरियाणा विधानसभा में पास हुआ 'शव सम्मान विधेयक'

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा में शवों के साथ प्रदर्शन और पार्थिव शरीर की बेकद्री रोकने के लिए बुधवार को विधानसभा में फिर से हरियाणा शव का सम्मानजनक निपटान विधेयक पारित किया गया। अब यह बिल राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के माध्यम से मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की हरी झंडी मिलते ही नया कानून लागू हो जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बिल को सदन पटल पर रखा। नए कानून के तहत शव के साथ सड़कों पर प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। अगर परिजन या रिश्तेदार शव को स्वीकार नहीं करते हैं तो संबंधित क्षेत्र के थानेदार अंतिम संस्कार कराएंगे। अगर कोई व्यक्ति या समूह शव के साथ प्रदर्शन करता है तो उसे छह महीने से लेकर तीन साल तक कैद और एक लाख रुपये जुमार्ना किया जाएगा। पिछले साल भी लाया गया था यह विधेयक पिछले साल भी विधानसभा के बजट सत्र में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार ने हरियाणा शव का सम्मानजनक निपटान विधेयक-2024 सदन में पारित किया था। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की ओर से विधेयक को स्वीकृति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया था, जिस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने

कुछ आपत्तियां लगाते हुए बिल को वापस लौटा दिया। कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल और बीबी बतरा ने नए बिल पर चर्चा के दौरान सवाल किया कि सरकार बताए कि केंद्र सरकार ने पहले इस बिल को क्यों लौटा दिया था और अब इसमें क्या संशोधन किए गए हैं। इस पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होने के चलते नया विधेयक तैयार करना पड़ा है। कई मौके आए जब भड़े ने 20-25 दिन तक सड़कों पर शव को रखकर प्रदर्शन किया। किसी को भी शवों की बेकद्री का अधिकार नहीं है। इसलिए सरकार को नया कानून बनाना पड़ा है।व के साथ प्रदर्शन के लिए उकसाने वालों को भी होगी सजा विधेयक के अनुसार शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करना अपराध होगा। अगर कोई व्यक्ति शव का सही तरीके से अंतिम संस्कार नहीं करता है तो उसे एक लाख रुपये तक जुमार्ने के साथ तीन साल की सजा हो सकती है। इतना ही नहीं, उकसाने वालों को भी सजा होगी। शव लेने के लिए अगर परिजनों द्वारा ठोस कारण बताया जाता है तो शव के अंतिम संस्कार के समय को 24 घंटे तक के लिए भी बढ़ाया जा सकता है।

इसके लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट से मंजूरी लेनी होगी। विधेयक में सम्मान के साथ शव का संस्कार 12 घंटों के भीतर करना अनिवार्य किया गया है। अगर किसी भी व्यक्ति ने शव की बेकद्री की तो थानेदार पार्थिव शरीर को कब्जे में लेकर ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में अंतिम संस्कार कराएंगे।

हरियाणा में शवों के साथ प्रदर्शन और पार्थिव शरीर की बेकद्री रोकने के लिए विधानसभा ने हरियाणा शव का सम्मानजनक निपटान विधेयक पारित किया है। इस नए कानून के तहत शव के साथ सड़कों पर प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। अगर कोई व्यक्ति या समूह शव के साथ प्रदर्शन करता है तो उसे छह महीने से लेकर तीन साल तक कैद और एक लाख रुपये जुमार्ना किया जाएगा।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अति मत करो कुणाल कामरा जी !

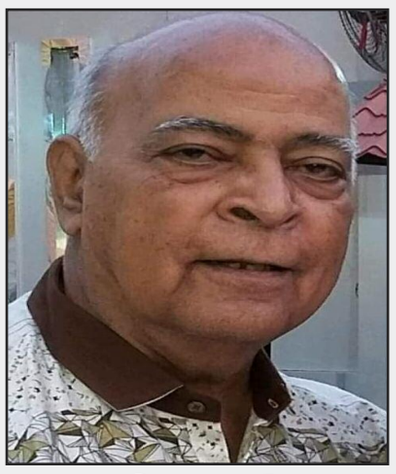

अशोक भाटिया

लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक मौलिक मानव अधिकार है। माध्यम जो भी हो, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता शब्द न केवल भाषण की स्वतंत्रता बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी संदर्भित करता है, बल्कि अभिव्यक्ति या विचारों की स्वतंत्रता का भी उपयोग करता है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 19 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की तरह ही लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक मौलिक मानव अधिकार है। माध्यम जो भी हो, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता शब्द न केवल भाषण की स्वतंत्रता बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी संदर्भित करता है, बल्कि अभिव्यक्ति या विचारों की स्वतंत्रता का भी उपयोग करता है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 19 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। भारत के संविधान का अनुच्छेद 19 स्वतंत्रता को बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी राय व्यक्त करने के अधिकार के रूप में परिभाषित करता है। यह स्वतंत्रता कानून का ढांचा है; लेकिन क्या होगा अगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हजारों लोगों के मतपत्रों पर चुने गए जनप्रतिनिधियों को बदनाम किया जाए, उनके समर्थकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जाए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा की जाए? जैसे राजनीति में लोग एक दूसरे के विरोधी होते हैं, दुश्मन नहीं। वैसे ही कॉमेडी मजाक उड़ाकर मनोरंजन के साथ साथ मैसेज देने की कोशिश भी रहती है। लेकिन, कुणाल कामरा ने तो वो तरीका अपनाया है जो कैंपसों में सीनियर छात्रों का गैंग जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग के नाम पर दुश्मन की तरह पेश आता है। बेशक कुणाल कामरा ने 'दिल तो पागल है' के एक गीत पर पैरोडी में कुछ पंक्तियां गुनगुनाई हैं, लेकिन जिस तरह से महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को टार्गेट किया है, वो करने वाला आर्टिस्ट नहीं कहा जा सकता। ऐसा क्यों लगता है जैसे कुणाल कामरा की कॉमेडी में शार्ली ऐब्दो टाइप फील देने की मंशा छुपी हुई हो। समय रैना का कहना है कि इंडिया गॉट लैटेंट में वो सब कुछ फ्लो में बोल गये, हो सकता है। थोड़ी देर के लिए मान लेते हैं। लेकिन, कुणाल कामरा ने ऐसा नहीं किया है। कुणाल कामरा तो स्क्रिप्ट के साथ शो कर रहे हैं। कुणाल कामरा को पूरे होशो-हवास में मालूम है कि कहना क्या है। हो सकता है, समय रैना ने भी ऐसा ही किया हो, स्क्रिप्ट देख कर भी पढ़ी जा सकती है, और याद करके भी बोली जा सकती है। उस समय रैना ने अपने बयान में कहा है, 'मैंने जो कहा उसके लिए मुझे गहरा खेद हैङ्क ये शो के फ्लो में हुआ, और मेरा ऐसा कहने का कोई इरादा नहीं था।'अपनी गलती को स्वीकार करते हुए समय रैना कहते हैं, 'मुझे एहसास है कि मैंने जो कहा वो गलत था'। बताया है कि विवाद ने उनकी मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा हैङ्क और, उसकी वजह से वो कनाडा का शो नहीं कर पाये। परन्तु यह ऐसा स्टड-अप कॉमेडियन

कुणाल कामरा के एक गाने की वजह से हुआ। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर एक व्यंग्य गीत ने राजनीतिक गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। साल 2012 में तन्मय भट्ट और उनके कुछ साथियों ने एआईबी नाम के प्लेटफॉर्म की शुरूआत की। 2015 में एक एआईबी ने एक रोस्टिंग स्टैंडअप कॉमेडी शो किया था जिसमें बॉलीवुड की लगभग सभी बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। ये शो काफी विवादों में भी रहा था क्योंकि इसमें वल्गर कॉमेडी और धड़ल्ले से गालियों का इस्तेमाल किया गया था। यहीं से भारत में स्टैंडअप कॉमेडी विवादों में घिरी रही। इसके बाद स्टैंडअप कॉमेडी ने पॉपुलरिटी हासिल की और कई नए नवेले कलाकार देखने को मिले। मुनव्वर फारुकी को एक बार इंदौर में चलते शो में ही कुछ लोगों ने कूट दिया था। 21वीं सदी यानी 2000 के बाद पूरी दुनिया में ये कल्चर फैलने लगा और भारत में भी इसने अपनी जगह बना ली। अब बात करें कुणाल कामराकुनाल व उसके चर्चित शो की जिसके बारे में सोशल साइट एक्स पर शेयर अपने बयान में कुणाल कामरा लिखते हैं, एंटरटेनमेंट वेन्यू महज एक प्लेटफॉर्म हैङ्क हर किस्म के शो का मंच हैङ्क मेरी कॉमेडी के लिए जिम्मेदार नहीं है, और जो भी मैं कहता या करता हूं, उस पर उसका कोई अधिकार या नियंत्रण नहीं है। न ही किसी और पार्टी का कोई अधिकार है। बिल्कुल सही बात है। लेकिन, ऐसी दलीलों से कुणाल कामरा ने कॉमेडी के बहाने जो कहा है, उसे सही हरगिज नहीं ठहराया जा सकता। कुणाल कामरा के खिलाफ एफआ-ईआर भी दर्ज करा दी गई है, और शिवसेना-शिंदे की तरफ से ये मामला अपने तरीके से सुलझाने का संदेश भी दिया जा रहा है। शिंदे सेना ने सुलझाने के तरीके का ट्रेलर तो दे ही दिया है, स्टूडियो में तोड़फोड़ करके। आगे के लिए धमकी भी आ चुकी है। धमकी का एक ऑडियो भी वायरल है, जिसमें कुणाल कामरा खुद को तमिलनाडु में होने के बात कर रहे हैं, और धमकाने वाले मुन्ना भाई वाले सर्किट की तरह पूछ रहे हैं, अब तमिलनाडु कैसे जाएंगे भाई। बहरहाल, मुद्दा ये है कि कुणाल कामरा के काम से कौन गुस्से में है और किसको मजा आ रहा है। सब कुछ साफ है। सामने है। एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक गुस्से में हैं। और, उद्धव ठाकरे और उनके सपोर्टर मजा ले रहे हैं - अगर शिवसेना के दो टुकड़े नहीं हुए होते तो कुणाल कामरा तमिलनाडु में होकर भी उनकी पहुंच से बाहर नहीं होते।महाराष्ट्र विधानमंडल में भी जो इसका असर पड़ा। यह दोनों सदनों को स्थगित करने का समय था। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम को कुणाल कामरा या किसी और को चेतावनी देनी पड़ी कि विधान परिषद को चुप कराने के लिए इस तरह की कॉमेडी नहीं चलाई जाएगी। इससे पहले, मुंबई में सड़कों की स्थिति के बारे में एक रेडियो जॉकी द्वारा गाया गया गीत बहुत लोकप्रिय था। 'सोनू, क्या तुम्हें बीएमसी पर भरोसा नहीं है?' वह गीत था। गाना वायरल होने के बाद ठाकरे सदमे की स्थिति में आ गए थे। तभी महिला रेडियो जॉकी को धमकाया गया। हालांकि, अब वही ठाकरे अब कुणाल कामरा को कंधे पर रखकर डांस करते नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि कुणाल कामरा के गाने के शब्द उनके पॉलिटिकल गुरु ने लिखे हैं। वे अब महाराष्ट्र के गृह मंत्री के नाम पर चिल्ला रहे हैं, जैसे कि उबाथा को विश्वास है कि यह कामरा उन्हें अपनी अब बंद राजनीतिक दुकान शुरू करने में मदद करेगा। ढाई साल पहले एकनाथ शिंदे के साथ विधायकों के विद्रोह के बाद, महाराष्ट्र के लोगों ने शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना को वोट दिया। पूरे महाराष्ट्र ने देखा कि एकनाथ शिंदे ने अगले चुनाव में अपने दम पर 55 से ज्यादा विधायकों को चुनने की धमकी दी थी, इसलिए उबाथा सेना ने शायद किसी कलाकार को सुपारी देकर उसका मजाक उड़ाने की कोशिश की हो। तो विधानसभा में कामरा के पीछे मालिक कौन है? सत्ताधारी दलों ने इस मामले की जांच की मांग की है, इसके पीछे मंशा साफ है।कुणाल कामरा, जो वर्तमान में महाराष्ट्र से बाहर हैं, को मुंबई पुलिस ने तलब किया है और पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा है। फिर भी, वह अपने रुख पर दृढ़ है कि वह माफी नहीं मांगेगा। संविधान की एक प्रति पकड़े हुए, कामरा ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अपने अधिकार का दावा किया है। कई लोग हर समय सुर्खियों में बने रहने के लिए नकारात्मक प्रचार का सहारा लेते हैं। 'जो बदनाम होता है, उसका ही नाम होता है' हिंदी सिनेमा का एक प्रसिद्ध संवाद है। कामरा को प्रसिद्धि पाने के लिए महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने वाले एकनाथ शिंदे पर एक व्यंग्यात्मक गीत गाना पड़ा होगा। न केवल एकनाथ शिंदे, बल्कि उन्होंने अतीत में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर व्यंग्य गीत भी बनाए हैं। दूसरी ओर, कुछ विचारक हिंदुत्व के विचारों को सत्ता से बाहर निकालने के लिए बेताब हैं, जिसमें कामरा जैसे कई चेहरे छिपे हुए हैं।अब, एमवीए सरकार के नुकसान के बाद से, उबाथा सेना, जो अपना संतुलन खो चुकी है, की स्थिति दयनीय हो गई है। उद्धव ठाकरे को अपना मुख्यमंत्री पद खोने का दर्द महसूस नहीं होता है, आदित्य मंत्री पद और अन्य नेताओं को खोने का दर्द नहीं भूल सकते। पार्टी के टूटने के बाद से, एकनाथ शिंदे और उनके सहयोगी जल-साझाकरण कार्यक्रम पर हैं। पहले, विधायकों और सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। अब पार्षदों, शाखा प्रमुखों सहित हजारों शिवसैनिकों के पार्टी छोड़ने के बाद ठाकरे कामरा जैसे कलाकार के पीछे रहकर एकनाथ शिंदे को बदनाम करने की कोशिश करते दिख रहे हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान द्वारा गा-रंटीकृत सभी का अधिकार है; लेकिन हर कलाकार को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि इसका मतलब यह नहीं है कि आपको किसी नेता या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का मजाक बनाने की आजादी नहीं है।

अशोक भाटिया
(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार)

संपादकीय

बर्दाश्त की हद

अमृता आर. पंडित

स्टैंड्अप कॉमेड्रियन कुणाल कामरा के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों के बाद मुंबई पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। मुंबई के खार इलाके के हैबिटेड् कॉमेड्री क्लब में इंड्रियाज गॉट लैटेंट में यह कार्यक्रम शूट किया गया था। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पॉपुलर गाने की पैरोड्री बना कर गद्दार कटाक्ष करने के आरोपों के बाद शिवसैनिकों ने तोड़फोड़. और हंगामा किया। 19 शिवसैनिकों पर नामजद और 15-20 अज्ञात के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई। कामरा ने बयान जारी कर तोड़-फोड़.की निंदा की तथा कहा कि वह शिंदे पर की टिप्पणी पर माफी नहीं मांगेंगे। यू-टज्ूब पर पोस्ट की गई ३६ वर्षीय कामरा की टिप्पणी छत्तीस लाख बार से ज्यादा देखी जा चुकी है और सोशल मीड्रिया पर वायरल हो रही है। बयान में कामरा ने इस टिप्पणी के लिए कहा है कि यह पहले अजित पवार कह चुके हैं। कॉमेड्रियन ने तंज करते हुए लिखा, कॉमेड्रियन के कहे शब्दों के लिए किसी जगह को नुकसान पहुंचाना बिल्कुल वैसे ही है, जैसे आपको चिकन नहीं परोसा जाए तो आप टमाटर का ट्रक पलट दें। कामरा ने मीड्रिया को भी निशाना बनाते हुए टिप्पणी की है, ईमानदारी से इस तमाशे की रिपोट्रिग करेंङ्क याद रखें, प्रेस की आजादी के मामले में भारत 159वें स्थान पर है। शिंदे ने व्यंग्य की सीमा तय करने की बात कहते हुए इसे किसी के खिलाफ बोलने की सुपारी लेने जैसा कहा।

पैरोड्री में किसी विशेष को संबोधित नहीं किया गया है। इसलिए इस कदर त्योरियां चढ़ाना जज्ब नहीं होता। सत्ता और राजनीतिज्ञों की हालिया पौध में बर्दाश्त इस कदर खत्म होरू चुकी है कि आलोचना, व्यंग्य या मसखरी बर्दाश्त करने को राजी नहीं हैं। याद रखना होगा कि विरोधियों या आलोचकों की जुबान पर ताले नहीं जड़े.जा सकतेङ्क जनता का एक हिस्सा उनके पक्ष में रहता है। प्रेस या अभिव्यक्ति की आजादी पर बखान करना आसान है, जिसे लेकर अक्सर बातें बनाई जाती हैं।

मगर यह रचनात्मक आपातकाल सरीखा माहौल रचा जा रहा है। जहां बोलने, लिखने, गाने, अभिनय पर नजर रखी जा रही है। जो बात या विधा अखरती है, उसके खिलाफ शालीनतापूर्वक न्यायिक और कागजी कार्रवाई करने को सरकारी तंत्र स्वतंत्र है। विरोधस्वरूप उपद्रव या कानून को हाथ लेना भी सरकार विरोधी काम ठहराया जा सकता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैंआसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

सनातन धर्म के युवा प्रचारक और वैदिक ज्योतिष के विद्वान

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को संजोए रखने वाले सनातन धर्म के प्रचार में कई व्यक्तित्व अपना योगदान दे रहे हैं। इनमें से एक नाम है अरिपिराला योगानंद शास्त्री, जिन्होंने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा और समर्पण से सबका ध्यान आकर्षित किया है। मात्र 11 वर्ष की उम्र में महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी से पीएचडी प्राप्त करने वाले योगानंद शास्त्री आज सनातन धर्म के प्रचार और वैदिक ज्ञान के प्रसार में अहम भूमिका निभा रहे हैं।अरिपिराला योगानंद शास्त्री का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां सनातन धर्म और वैदिक परंपराओं का गहरा प्रभाव था। बचपन से ही उनकी रुचि वेद, पुराण और ज्योतिष शास्त्र की ओर रही। उनकी असाधारण बुद्धि और सीखने की ललक ने उन्हें छोटी उम्र में ही वैदिक ज्योतिष के क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी, जो वैदिक ज्योतिष और सनातन ज्ञान का एक प्रतिष्ठित केंद्र है, वहां उन्होंने अपनी प्रतिभा को निखारा और 11 साल की उम्र में डिग्री हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत का प्रमाण है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि उम्र ज्ञान और समर्पण की राह में बाधा नहीं बन सकती। योगानंद शास्त्री का जीवन सनातन धर्म के प्रचार के लिए समर्पित है। वे मानते हैं कि आज के आधुनिक युग में युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए वे विभिन्न मंचों, प्रवचनों और लेखों के माध्यम से सनातन धर्म के मूल्यों, जैसे कर्म, धर्म, और मोक्ष की अवधारणाओं को सरल भाषा में समझाते हैं। उनका मानना है कि वैदिक ज्योतिष न केवल भविष्य की भविष्यवाणी का साधन है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाला एक मार्गदर्शक भी है। अपनी कम उम्र के बावजूद, योगानंद शास्त्री ने ज्योतिष शास्त्र के क्षेत्र में गहरी समझ विकसित की है। वे ग्रहों की चाल, नक्षत्रों के प्रभाव और कुंडली विश्लेषण के जरिए लोगों को उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन देते हैं। उनकी खासियत यह है कि वे जटिल ज्योतिषीय सिद्धांतों को आम लोगों के लिए आसान बनाते हैं, जिससे यह ज्ञान सभी तक पहुंच सके। उनकी यह क्षमता उन्हें एक प्रभावशाली शिक्षक और प्रचारक बनाती है। अरिपिराला योगानंद शास्त्री आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी बताती है कि यदि मन में लगन और लक्ष्य स्पष्ट हो, तो कोई भी सपना असंभव नहीं है। वे कहते हैं, "सनातन धर्म हमारी पहचान है, और इसे जीवित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।" उनकी यह सोच और कार्यशैली उन्हें न केवल एक विद्वान, बल्कि एक सच्चे धर्म प्रचारक के रूप में स्थापित करती है। मात्र 11 वर्ष की उम्र में इतना कुछ हासिल करने के बाद भी योगानंद शास्त्री रुकने का नाम नहीं ले रहे। वे भविष्य में सनातन धर्म और वैदिक ज्योतिष के प्रचार को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। इसके लिए वे डिजिटल माध्यमों का भी सहारा ले रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी तक यह ज्ञान पहुंच सके। अरिपिराला योगानंद शास्त्री जैसे युवा सनातन धर्म की ध्वजा को ऊंचा रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी यह यात्रा न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि यह भी सिखाती है कि सच्चा ज्ञान और समर्पण किसी भी उम्र में चमत्कार कर सकता है। अभी हाल ही में अरिपिराला योगानंद शास्त्री दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रुपाला से मिल कर अपने ज्ञान का परिचय दिया साथ ही अरिपिराला योगानंद शास्त्री को बहुत से राज्यपालो और विभिन्न बड़े लोगो के हाथो बहुत सा सम्मान मिल चूका है। जैसे -15 सितंबर 2024 को हैदराबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार 2024 में श्री जिष्णु देव वर्मा (तेलंगाना के राज्यपाल) से ज्योतिष में युवा उपलब्धि पुरस्कार और उपाधि। 14 फरवरी 2025 को शिमला में आयोजित क्रिएटर्स एंड बिजनेस एक्सीलेंस अवाड्र्स 2025 में श्री शिव प्रताप शुक्ला जी (हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल) से ज्योतिष में युवा उपलब्धि पुरस्कार और उपाधि। श्री राम निवास गोयल जी (दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष) से भारत सम्मान निधि पुरस्कार। जगदंबिका पाल जी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री) और रघुराज सिंह (यूपी के श्रम और रोजगार मंत्री) से ज्योतिष में राष्ट्रीय प्रतीक पुरस्कार। ज्योतिष कला विशारद पुरस्कार एवं मानद डॉक्टरेट की उपाधि दिगंबर कामत जी (मुख्यमंत्री, गोवा), राष्ट्रीय गौरव पु-रस्कार माननीय न्यायमूर्ति डॉ. के.जी. बालकृष्णन (मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय) एवं श्रीमती मानषी रॉय (प्रथम महिला एवं भारतीय उद्योग परिसंघ की पूर्व महानिदेशक) तथा मदन लाल (पूर्व दिग्गज क्रिकेटर), ज्योतिष में युवा शोधकर्ता पुरस्कार माननीय न्यायमूर्ति अनंग कुमार पटनायक जी (उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश वर्तमान में किशोर न्याय समिति) एवं मेजर जनरल संजय सोई [सेवानिवृत्त] वर्तमान में (प्रेसीडेंसी सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष) राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार फग्गन सिंह कुलस्ते (भारत के ग्रामीण विकास मंत्री) एवं विंदू धारा सिंह (पहलवान एवं अभिनेता) एवं विनय चौधरी (राष्ट्रीय सह-प्रभारी, भाजपा) आदि सम्मान मिल चुके है। खासकर गऊ भारत भारती समाचारपत्र द्वारा ' सर्वोत्तम सम्मान ' उन्हें यह सम्मान जगत गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरा नन्द के हाथो दिया गया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी ने भी अरिपिराला योगानंद शास्त्री की प्रशंसा में पत्र जारी कर अरिपिराला योगानंद शास्त्री को भारत का लाल कहा है।

अरिपिराला योगानंद शास्त्री
(लेखक)

राजेश श्रीवास्तव

"जस्टिस कर्णन: सत्य की कीमत या व्यवस्था से टकराव?"

जस्टिस चिन्नास्वामी स्वामीनाथन कर्णन भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक अनोखा नाम हैं। वे पहले ऐसे हाईकोर्ट जज थे जिन्होंने खुले तौर पर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। लेकिन उनके आरोपों और उनके व्यवहार के कारण वे खुद न्यायालय की अवमानना के दोषी ठहराए गए और उन्हें जेल की सजा मिली। उनका जन्म 12 जून 1955 को तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में हुआ था। वे अनुसूचित जाति (दलित) से थे और उन्होंने मद्रास लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। एक वकील के रूप में अपने करियर की शुरूआत करने के बाद, 2009 में वे मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने। यह एक ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि उच्च न्यायपालिका में दलितों का प्रतिनिधित्व बहुत कम रहा है। न्यायाधीश बनने के बाद से ही जस्टिस कर्णन ने न्यायपालिका के भीतर मौजूद भ्रष्टाचार और भेदभाव पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। 2011 में उन्होंने आरोप लगाया कि मद्रास हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश उनके साथ जातिगत भेदभाव कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, उनकी इन बातों को न्यायपालिका ने गंभीरता से नहीं लिया। 2015 में एक महत्वपूर्ण घटना घटी जब जस्टिस कर्णन मद्रास हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान बिना बुलाए कोर्ट में पहुंच गए और खुद को उस मामले में पक्षकार बनाने की मांग की। यह एक अभूतपूर्व कदम था, क्योंकि आमतौर पर न्यायाधीश ऐसे मामलों में खुद हस्तक्षेप नहीं करते। 2016 में उनका तबादला कलकत्ता हाईकोर्ट कर दिया गया। उन्होंने इसे एक साजिश बताया और कहा कि उन्हें जानबूझकर भ्रष्टाचार के मामलों से दूर करने के लिए वहां भेजा गया है। लेकिन यह तो सिर्फ शुरूआत थी। जनवरी 2017 में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने 20 उच्चतम और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। यह पत्र सार्वजनिक होते ही एक बड़ा विवाद बन गया। इस पत्र के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज किया। लेकिन जस्टिस कर्णन ने पलटवार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश सहित कई न्यायाधीशों को पांच साल की सजा सुनाने का आदेश पारित कर दिया। यह भारतीय न्यायिक इतिहास में पहली बार हुआ था कि एक हाईकोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ दंडात्मक आदेश जारी किया हो। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया और 9 मई 2017 को उन्हें न्यायालय की अवमानना का दोषी ठहराकर छह महीने की जेल की सजा सुनाई। गिरफ्तारी से बचने के लिए वे अज्ञात स्थानों पर छिप गए, लेकिन अंततः 4 जुलाई 2017 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और जेल भेज दिया गया। 2018 में जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने 'एंटी करप्शन डायनामिक पार्टी' बनाई और 2019 के लोकसभा चुनाव में चेन्नई सेंट्रल से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। उन्होंने न्यायपालिका में सुधार की मांग दोबारा उठाई और कहा कि उन्हें न्याय नहीं मिला। उनका कहना था कि उन्होंने भ्रष्टाचार उजागर किया, लेकिन सत्ता ने उन्हें दंडित किया। हाल के वर्षों में जब भी न्यायपालिका पर कोई विवाद सामने आता है, तो सोशल मीडिया पर जस्टिस कर्णन का नाम फिर चर्चा में आ जाता है। उनकी जेल से रिहाई की तस्वीरें, उनके भाषणों के अंश और उनके आरोप वायरल होने लगते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ समूह उनके मामले को न्यायपालिका में सुधार की मांग को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। मीडिया और समाज की भूमिका भी इसमें अहम हो जाती है। किसी भी मामले को संतुलित दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है। जस्टिस कर्णन के मामले में उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे–भ्रष्टाचार, जातिगत भेदभाव और न्यायपालिका की पारदर्शिता–आज भी प्रासंगिक हैं। लेकिन उनके तरीके विवादास्पद रहे हैं। जस्टिस कर्णन का मामला केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय न्याय व्यवस्था की पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। क्या एक न्यायाधीश को न्याय मांगने का अधिकार नहीं? क्या भ्रष्टाचार और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना अपराध है? यदि उनके आरोप गलत थे, तो उन्हें निष्पक्ष रूप से खारिज क्यों नहीं किया गया? और यदि उनके आरोपों में सच्चाई थी, तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यह व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का समय है। क्या न्यायपालिका को बाहरी आलोचना से मुक्त रखा जाना चाहिए, भले ही उसमें सुधार की जरूरत हो? क्या किसी न्यायाधीश द्वारा उठाए गए सवालों को सुना जाना चाहिए या फिर उसे दंडित कर चुप करा देना चाहिए?

जस्टिस कर्णन की कहानी एक चेतावनी है कि यदि न्यायपालिका में सुधार और पारदर्शिता को सुनिश्चित नहीं किया गया, तो क्या भविष्य में ऐसे और भी मामले सामने नहीं आएंगे? यह समाज और व्यवस्था दोनों के लिए सोचने का विषय है।

उनकी कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या उन्होंने सच बोलने का साहस दिखाया या फिर अपने व्यक्तिगत संघर्ष को न्यायपालिका के खिलाफ लड़ाई का रूप दे दिया? क्या वे अन्याय के शिकार हुए या उन्होंने खुद अपनी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया?

यह मामला भारतीय न्यायपालिका में सत्ता बनाम सत्य की लड़ाई का प्रतीक बन चुका है। सत्य को बोलने की कीमत क्या हो सकती है, यह जस्टिस कर्णन के जीवन से सीखा जा सकता है।

आतिशी ने भ्रष्ट तरीके से जीता चुनाव? दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से उनकी चुनावी जीत को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें उन पर भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई), दिल्ली पुलिस और कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर को भी नोटिस जारी किया। अदालत ने प्रतिवादियों से याचिका पर अपने जवाब दाखिल करने को कहा और सुनवाई 30 जुलाई के लिए टाल दी। हालांकि, ईसीआई के वकील और रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा कि कानून के मुताबिक उन्हें चुनाव याचिका में पक्ष नहीं बनाया जा सकता था। अदालत ने कहा कि उनके लिए अपने जवाबों में अपनी आपत्तियों का उल्लेख करना खुला होगा। चुनावों के सभी रिकॉर्ड हों सुरक्षित-हाईकोर्ट इस बीच, अदालत ने चुनाव आयोग, रिटर्निंग अधिकारी और पुलिस को कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों के सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया और कहा कि वे भविष्य में अपने आदेश में संशोधन की मांग कर सकते हैं। कालकाजी में रहने वाले याचिकाकर्ता कमलजीत सिंह दुग्गल और आयुष राणा ने आतिशी की चुनाव जीत को चुनौती दी है और दावा किया है कि वह और उनके पोलिंग एजेंट भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। अधिवक्ता टी सिंहदेव के माध्यम से दायर याचिका में उनके चुनाव को अमान्य घोषित करने की मांग की गई है। आतिशी ने अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी रमेश बिधूड़ी को 3,521 मतों से हराकर कालकाजी सीट से जीत हासिल की। चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को हुआ था और परिणाम 8 फरवरी को घोषित किए गए थे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मतदान से एक दिन पहले 4 फरवरी को आतिशी के करीबी सहयोगियों को निर्वाचन क्षेत्र में 5 लाख रुपये नकद के साथ पकड़ा गया था और कथित तौर पर मतदाताओं को उनके पक्ष में 'वोट खरीदने' के लिए रिश्वत देने के उनके निर्देशों पर काम कर रहे थे। आप नेता पर जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा क23 (क) (ए) के तहत 'रिश्वत' देने का आरोप लगाया गया था। याचिका में कहा गया है कि आतिशी ने कालकाजी से चुनाव लड़ रहे अन्य उम्मीदवारों पर अनुचित लाभ हासिल करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में अपने पद का इस्तेमाल किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रतिवादी नंबर 1 (आतिशी) ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को सब्सिडी देने और अपने समर्थन के लिए सरकारी वाहनों और सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल करके मतदाताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। याचिका में आगे दावा किया गया कि वह चुनावी अपराध करने, चुनाव पूर्व 48 घंटे की चुप्पी अवधि का उल्लंघन करने और अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामले का खुलासा न करके झूठा हलफनामा दायर करने की दोषी हैं, जो 11 जनवरी को गोविंद पुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था।

किसी ने पव्वे तो किसी ने बियर की बोतलों पर बोला धावा, कार हादसे के बाद शराब लूटने लगे लोग; वीडियो

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली के कंझावला थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक कार हादसे का शिकार होकर पलट गई। लोग कार सवारों की मदद करने दौड़े, मगर इसी बीच कार से क्वार्टर अवैध शराब की बोतलें बिखरने लगे। फिर क्या था माहौल ही बदल गया, लोग मदद भूलकर, शराब लूटने में जुट गए। किसी ने पव्वे उठाए तो कोई बियर की बोतल लेकर भागने लगे। पुलिस ने कार जब्त कर, घायल को अस्पताल में भर्ती कराया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बदल जाएगी दिल्ली की सूरत? डेढ़ गुना बढ़ा बजट; रिपोर्ट से समझिए राजधानी का भविष्य

नई दिल्ली। दिल्ली की सत्ता संभालने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में गरीब व 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत जन आरोग्य (पीएम-जेएवाई) को लागू करने की स्वीकृति देने वाली भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य का बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब डेढ़ गुना बढ़ा दिया है। आयुष्मान भारत योजना पर होगा अधिक खर्च इसका एक बड़ा हिस्सा आयुष्मान भारत योजना पर खर्च होगा। इस बूस्टर डोज से स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे को मजबूती मिलेगी। घर के नजदीक प्राथमिक चिकित्सा व गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग उपलब्ध कराने के लिए मोहल्ला क्लीनिक की जगह अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (हेल्थ व वेलनेस सेंटर) खोले जाएंगे। बताया गया कि वर्ष 2021-22 के बाद लगातार स्वास्थ्य के बजट में लगातार कमी की गई थी। पिछले वर्ष के 8,685 करोड़ के प्रविधान के मुकाबले इस बार के बजट में 12,893 करोड़ का प्रविधान किया गया है। जोकि कुल बजट का करीब 13 प्रतिशत है। शिक्षा के बाद सबसे ज्यादा बजट स्वास्थ्य के लिए प्रस्तावित किया गया है। वहीं, पिछले वर्ष की तुलना में बजट 4,208 करोड़ (48.45 प्रतिशत) बढ़ा है। परियोजनाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों का बजट पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना से ज्यादा हो गया है। पिछले वर्ष 3,451 करोड़ के मुकाबले इस बार 6,874 करोड़ का प्रस्ताव किया गया है। पीएम-जेएवाई के लिए 147.64 करोड़ का प्रविधान किया गया है। इससे गरीबों व 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख और दिल्ली सरकार की तरफ से पांच लाख का अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। दिल्ली में खुलेंगे 400 आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन को आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में लागू नहीं होने दिया था। अब इसके लिए प्रविधान किया गया है। इससे 400 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, क्रिटिकल केयर ब्लॉक व सेंट्रलाइज्ड डायग्नोटिक लैब बन सकेंगे। इसके तहत 50 और 100 बेड के 10 क्रिटिकल केयर ब्लाक बनाए जाने हैं। इससे दिल्ली कोरोना जैसी संक्रामक बीमारियों से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकेगी। इसके अलावा सभी जिलों में एकीकृत लैब बनाए जाने हैं।

यूपी से हर रविवार को आता दिल्ली, फिर वारदात को अंजाम देकर लौट जाता था गांव; पुलिस ने ऐसे दबोचा

नई दिल्ली। लाहौरी गेट थाना पुलिस की टीम ने घटना के छह घंटे के भीतर मोबाइल फोन चोरी का मामला सुलझाते हुए एक जेबकतरे को गिरफ्तार किया है। आरोपित बदमाश के कब्जे से हाल ही में चोरी मोबाइल सहित कुल छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। उसकी पहचान यूपी के फिरोजाबाद निवासी अजीत के रूप में हुई है, जो पुलिस स्टेशन कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन और मुख्य रेलवे स्टेशन में दर्ज चोरी व जेबकतरी के पांच मामलों में शामिल रहा है। वह अपने साथियों के साथ हर रविवार को ट्रेन से अपने मूल स्थान से दिल्ली आता था। वह रेलवे और मेट्रो स्टेशनों के पास यात्रियों को निशाना बनाकर उनके मोबाइल फोन चुराता था और वापस गांव लौट जाता था। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 23 मार्च को नोएडा निवासी ध्रुव कुमार ने कुतुब रोड से मोबाइल फोन चोरी संबंधी शिकायत दर्ज कराई थी। घटनास्थल की फुटपाथ पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था इसलिए टीम ने गुप्त स्रोतों को तैनात किया और टीम ने आरोपित की पहचान की। उसी दिन लगभग सात बजे लाहौरी गेट चौक, हेरिटेज बिल्डिंग के पास से उस समय गिरफ्तार किया जब वह अपराध की योजना की फिराक में घूम रहा था।

सोनू निगम पर हुई पत्थरबाजी का सामने आया सच, सिंगर ने इंस्टाग्राम पर ये तस्वीर डाल बताई अहम बात

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की एक नामी यूनिवर्सिटी में कॉन्सर्ट के दौरान बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम पर हुई पत्थरबाजी की सच्चाई सामने आ गई है। सोनू निगम ने खुद घटना के बारे में बताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पूरे मामले की सच्चाई बताई है। बॉलीवुड सिंगर ने खुद बताया पूरा सच दरअसल, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) के इंजीफेस्ट 2025 में बीते रविवार को सोनू निगम परफॉर्मेंस देने आए थे। इस दौरान बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम पर पत्थरबाजी की बात सामने आई थी। इस दौरान हंगामा भी हो गया। इसके बाद सोनू निगम ने कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया और दर्शकों को चेताया था। लेकिन पूरा मामला क्या था, यह आगे जानिए। बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम ने इस घटना को लेकर खुद पूरी सच्चाई बताई है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालते हुए बताया कि डीटीयू में पत्थर या बोतलें फेंकने जैसा कुछ नहीं हुआ, जैसा कि कुछ मीडिया में बताया गया है। स्टेज पर किसी ने एक वेप फेंका जो सुभांकर की छाती पर लगा और तभी मुझे इसके बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि मैंने शो रोक दिया और कॉलेज के लोगों से अनुरोध किया और उन्हें याद दिलाया कि अगर ऐसा कुछ दोबारा हुआ तो शो को अचानक रोकना पड़ेगा। उसके बाद स्टेज पर केवल एक चीज फेंकी गई, वह थी पूकी हेडबैंड। उन्होंने बताया कि वह वास्तव में पूकी थी। मीडिया में सुर्खियां बनने के बाद सोनू निगम ने बताया कि डीटीयू में लाइव शो के दौरान पत्थर और बोतल फेंकने जैसा कुछ नहीं था। यह बात सही है कि शो को बीच में रोकना पड़ गया था।

जस्टिस यशवंत वर्मा पर जांच तेज, बंगले पर पहुंची दिल्ली पुलिस; सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारी भी गए अंदर

नई दिल्ली। हाइकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के तुगलक क्रिसेंट रोड स्थित सरकारी आवास पर दिल्ली पुलिस पहुंची है। नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश महला मुआयना करने पहुंचे हैं। उनके साथ तुगलक रोड के एसीपी वीरेंद्र जैन और सुप्रीम कोर्ट के दो-तीन कर्मचारी भी अंदर गए। बताया गया कि करीब 2.15 बजे ये सभी अधिकारी जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर पहुंचे। ये लोग स्टोर रूम का मुआयना कर रहे हैं, जहां 14 मार्च की रात 11.15 बजे आग लगी थी। बता दें कि आग लगने से स्टोर रूम में बोरियों में रखे बेहिसाब नोट जल गए थे। इससे पहले बीते कल यानी मंगलवार को तीन जजों की कमेटी भी जांच करने उनके आवास पर पहुंची थी। तीनों जजों ने करीब 45 मिनट तक मुआयना किया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त आंतरिक समिति के तीनों सदस्य मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर पहुंचे और आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के आरोपों की जांच प्रारंभ की। समिति के सदस्य पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायाधीश अनु शिवरामन मंगलवार को जस्टिस वर्मा के आवास 30 तुगलक क्रिसेंट पहुंचे और 30-35 मिनट तक उनके घर में रहे। सूत्रों के अनुसार, दोपहर में जस्टिस वर्मा के आवास से रवाना होने से पूर्व समिति ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि, यह पता नहीं चल सका कि समिति के सदस्य जब वहां पहुंचे तो जस्टिस वर्मा अपने आवास पर थे अथवा नहीं। जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास में 14 मार्च को रात करीब 11:35 बजे आग लगने के बाद अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचे थे और आग बुझाई। इसी दौरान कथित तौर पर नकदी मिली थी। इस घटना के बाद 22 मार्च को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के विरुद्ध आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। जस्टिस वर्मा ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी नकदी नहीं रखी गई। दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय को सौंपे जवाब में जस्टिस वर्मा ने कहा कि उनके आवास पर नकदी मिलने के आरोप स्पष्ट रूप से उन्हें फंसाने और बदनाम करने की साजिश प्रतीत होते हैं।

क्या है मुफ्त बिजली योजना? दिल्ली के 2 लाख से ज्यादा लोगों को मिलेगा लाभ; ऐसे उठा सकते हैं फायदा

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ रही बिजली की मांग को पूरा करना बड़ी चुनौती है। इसके लिए सौर ऊर्जा बेहतर विकल्प है। बजट में इसे बढ़ावा देने की घोषणा की गई है। इसके लिए केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना लागू किया जाएगा। इसके साथ ही दिल्ली सरकार "पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना - राज्य टाप अप" नामक एक नई योजना शुरू करेगी। ऊर्जा मंत्री आशीष सूद का कहना है कि बजट में दिल्ली को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और स्वच्छ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रत्येक नागरिक को 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना है। 100 करोड़ रुपये से शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट बिजली से संबंधित विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए ऊर्जा विभाग को 3,847 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। पिछली आप सरकार ने 2024-25 के बजट में विभाग के लिए 3,353 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। बजट में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और राजधानी के आर्थिक विकास को गति देने के लिए स्वच्छ या नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से घरेलू बिजली उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया गया है। दिल्ली में "पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना" को लागू करने के लिए केंद्र सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ समझौता करने की प्रक्रिया चल रही है।" इस योजना के अंतर्गत दिल्ली के आवासीय उपभोक्ताओं को 78,000 रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इस पहल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए दिल्ली सरकार "पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना - राज्य टाप अप" नामक एक नई योजना प्रस्तावित की गई है। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। बिजली के लटकते तारों से मिलेगा छुटकारा इस योजना के तहत अगले तीन वर्षों में 2.3 लाख आवासीय छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। दिल्ली में बिजली के लटकते तार बड़ी समस्या है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को अपने बजट भाषण और प्रेसवार्ता में कहा, "बिजली के लटकते तार न केवल शहर की सुंदरता को खराब करते हैं, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी जोखिम भरे हैं। इसे स्थानांतरित करने की पायलट परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की गई है। तारों को भूमिगत किया जाएगा।"

10 वीं की पढ़ाई छोड़ जल्दी पैसे कमाने के पीछे भागा, दोस्त की दुकान से लिया आइडिया; फिर करने लगा चोरियां

दक्षिणी दिल्ली। आरके पुरम थाना क्षेत्र में चोरी का अलग ही मामला सामने आया है। चोरों ने पहले मदर डेयरी संचालक को दुकान लीज पर लेने का झांसा दिया। फिर दो दिन का बिक्री और हिसाब-किताब देखते रहे। मौका मिलते ही डेयरी से 70 हजार रुपये नकद और चार लीटर देशी घी लेकर चंपत हो गए। आरके पुरम पुलिस ने शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर मास्टर माइंड समेत तीनों आरोपितों को बागपत से गिरफ्तार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर चोरी की रकम में से 37 हजार रुपये नकद और देशी घी बरामद की। क्या है पूरा मामला? दक्षिणी पश्चिम जिले की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकांक्षा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 23 मार्च को पीड़ित हर्ष यादव ने ऑनलाइन एफआईआर आरके पुरम थाने में दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिक, 21 मार्च को तीन व्यक्तियों ने उनसे संपर्क किया। आरके पुरम, सेक्टर-8 में उनकी मदर डेयरी बूथ को लीज पर लेने की पेशकश की। डेयरी में वस्तुओं की दैनिक बिक्री की जांच के बहाने में दो दिन दुकान में आए और 23 मार्च को 70 हजार रुपये नकद और 4 लीटर देसी घी लेकर भाग गए। टीम ने जांच शुरू की। आसपास से पूछताछ में एक दुकानदार ने बताया कि आरोपितों में से एक ने उनके मोबाइल फोन के माध्यम से किसी परिचित व्यक्ति को कुछ राशि भेजी थी। बागपत से 24 घंटे के भीतर आरोपित गिरफ्तार इस सुराग के आधार पर आगे की जांच की गई। मोबाइल फोन गांव अब्दुल्लापुर मेवला, थाना चांदी नगर, जिला बागपत, यूपी में चलता हुआ पाया गया। टीम शिकायतकर्ता के साथ बागपत पहुंची और सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान शेखर, सुमित, और लखन तीनों निवासी गांव अब्दुल्लापुर मेवला, बागपत (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई नकदी में से 37 हजार रुपये और चार लीटर देशी घी बरामद की। दोस्त की दुकान देखकर बनाया प्लान आरोपित शेखर 10वीं कक्षा की पढ़ाई छोड़ चुका है। जल्दी पैसे कमाने के लिए छोटे-मोटे अपराध करने लगा।

दिल्ली में अब नहीं हो सकेगी पानी की चोरी और बबार्दी, रेखा गुप्ता सरकार का क्या है नया प्लान?

नई दिल्ली। पानी की कम उपलब्धता और बबार्दी दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी आपूर्ति की समस्या है। बजट में इसके समाधान पर ध्यान दिया गया है। इसके लिए आनलाइन निगरानी की जाएगी। बेहतर जल प्रबंधन से प्रत्येक नागरिक को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। सीवर प्रणाली में भी सुधार किया जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड को आवंटित हुआ 9,000 हजार करोड़ का बजट इसके लिए दिल्ली जल बोर्ड को 9,000 हजार करोड़ रुपये का बजट आवंटित हुआ है। पिछले 10 वर्षों में पानी की उपलब्धता 840 से बढ़कर मात्र 1,000 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) हुई है, जबकि तीन करोड़ की जनसंख्या के लिए 1,290 एमजीडी पानी की आवश्यकता है। बजट में इस कमी को पाटने की घोषणा की गई है। मोबाइल फोन से की जा सकेगी निगरानी वहीं, पानी की चोरी रोकने के लिए सभी पानी टैंकर में जीपीएस लगेंगे। मोबाइल फोन से निगरानी की जा सकेगी। इसके लिए मोबाइल एप बनाया जाएगा। जल प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए आटोमेशन, सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन (स्काडा) और इंटेलिजेंट मीटरिंग प्रणाली पर 150 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बताया गया कि पुराने जल उपचार संयंत्रों में सुधार किया जाएगा। हरियाणा से दिल्ली खुली नहर से पानी आता है। इससे हो रहे पानी के नुकसान को रोकने के लिए पाइप लाइन बिछाई जाएगी। सीएलसी ड्रेन की मरम्मत होगी। आपातकालीन जल भंडारण की व्यवस्था होगी। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के साथ ही बोरवेल व रेनीवेल की संख्या बढ़ाई जाएगी। तालाब व अन्य जल स्रोत संरक्षित किए जाएंगे। पुरानी सीवर लाइन बदलने के साथ ही रखरखाव बेहतर होगा। जल बोर्ड घाटे में है। परियोजनाएं बाधित हुई हैं। काम में तेजी के लिए इस बार बजट में 1,905 करोड़ रुपये अधिक आवंटित किए गए हैं।

मां यमुना को मिल जाएगी प्रदूषण से मुक्ति, नहीं गिरेंगे गंदे नाले; सफाई पर खर्च होगी बड़ी रकम

नई दिल्लीः यमुना की सफाई प्रमुख चुनावी मुद्दा रहा है। प्रधानमंत्री ने इसे निर्मल व अविरल करने, साबरमती रिवर फ्रंट की तरह इसके तट को विकसित करने और इसे दिल्ली की पहचान बनाने का वादा किया था। पार्टी के चुनाव संकल्प पत्र में भी यमुना को स्वच्छ करने का संकल्प था। भाजपा सरकार की सरकार बनने के साथ ही इस संकल्प को पूरा करने के लिए यमुना की सफाई शुरू हो गई है। यमुना में नहीं गिरेगा सीवर का पानी बजट में भी इसे लेकर बड़ी घोषणा की गई है। नदी में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण नालों व सीवर का पानी गिरना है। इसके समाधान के लिए 40 विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्रों (डीएसटीपी) बनाने और चालू सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) के उन्नयन की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने बजट भाषण में कहा, "यमुना सिर्फ एक नदी नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत है। यमुना की सफाई हमारे संकल्प पत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस बजट में भी यह सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यमुना में नाले का गंदा पानी न गिरे।" इसे सुनिश्चित करने के डीएसटीपी बनेंगे। इससे सीवेज को उसके स्रोत पर ही उपचार किया जा सके। अभी दिल्ली में 38 एसटीपी हैं।

क्रॉकरी के डिब्बों में बिहार ले जाना था माल, पुलिस ने दबोचा; कार्टन खुलते ही दंग रह गई क्राइम ब्रांच की टीम

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने एक गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो क्रॉकरी के डिब्बों में छिपाकर ट्रांसपोर्ट कंपनी के जरिए बिहार में अवैध शराब की सप्लाई करते थे। पुलिस से बचने के लिए शराब की पेटियों को थमाकोल की पैकेजिंग क्रॉकरी के कार्ड बॉक्स के अंदर छिपाकर रखते थे। आरोपियों में इतने लोग शामिल गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में शराब विक्रेता, पैकेजिंग करने वाला और ट्रांसपोर्टर शामिल हैं। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस को शराब तस्करों के नए तौर-तरीके का पता चला है। इनके कब्जे से 74 कार्टन (3732 क्वार्टर शराब) शराब और शराब परिवहन में इस्तेमाल होने वाला ट्रक जब्त किया गया है। दिल्ली से ड्राई स्टेट बिहार में अवैध शराब की सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय तस्करों की चेन में शामिल अन्य लोगों का भी पता लगाया जा रहा है। डीसीपी सतीश कुमार के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के नाम ललन कुमार, सहरसा, बिहार (ड्राइवर), लखन, हेली मंडी, गुरुग्राम, हरियाणा (पैकेजर) और महेंद्र बेहरा, न्यू कृष्णा नगर (शराब दुकान का कर्मचारी) हैं। लखन की पहाड़ी धीरज, सदर बाजार में दुकान है। अवैध शराब की सप्लाई बरामद शराब ट्रक, पहाड़ी धीरज, सदर बाजार स्थित दुकान और एक अन्य शराब की दुकान से स्टोर की गई थी। क्राइम ब्रांच के हवलदार विनोद बजाड़ को सूचना मिली कि घरेलू सामान के बीच अवैध शराब रखकर ट्रांसपोर्ट कंपनियों के जरिए नए और संगठित तरीके से दिल्ली से बिहार में अवैध शराब की सप्लाई की जा रही है। एसीपी नरेंद्र बेनीवाल और इंस्पेक्टर संदीप तुषीर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सूचना को आगे बढ़ाया और मजनू का टीला के पास एक ट्रक को रोका। ट्रक चालक की पहचान ललन कुमार के रूप में हुई। उससे पूछताछ करने के बाद उसे ट्रांसपोर्ट कंपनी से किसी को बुलाने के लिए कहा गया लेकिन ट्रांसपोर्ट कंपनी का प्रबंधन नहीं आया। प्रत्येक बक्से में शराब की 4 पेटियां छह तरह से पैक किए गए बड़े बक्सों को खोलने पर प्रत्येक बक्से में शराब की 4 पेटियां थीं, बक्सों के चारों ओर थमाकोल के कुशन लगे कप और मग मिले। प्रत्येक बड़े बक्से में कुछ क्वार्टर भी थे। गिनती करने पर बक्सों से कुल 1260 क्वार्टर शराब बरामद हुई। जांच के बाद पुलिस टीम ने सदर बाजार स्थित एक मकान की पहली मंजिल पर छापा मारकर 24 पेटियां (1212 क्वार्टर) शराब बरामद की, जो क्रॉकरी सेट से घिरे बक्सों में भरी हुई थीं। इसके बाद वजीरपुर जेजे कॉलोनी के पास स्थित शराब की दुकान पर छापा मारकर एक शराब तस्कर को पकड़ लिया। उसकी निशानदेही पर 24 पेटियां (1260 क्वार्टर) बरामद की गईं।

इस बार नहीं कर पाएंगे VIP दर्शन, REEL बनाने वालों पर होगा ये एक्शन

ठेकों पर टूट पड़े लोग

चारधाम यात्रा के लिए अब तक 9 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है. चारधाम यात्रा में इस बार VIP दर्शन भी बंद कर दिए गए हैं. इसके अलावा वीडियो और रील बनाने वालों के लिए खास नियम बनाए गए हैं.

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का आगाज अप्रैल महीने से शुरू हो जाएगा. 30 अप्रैल को गंगोत्री-यमुनोत्री, दो मई को केदारनाथ धाम, चार मई को बद्रीनाथ धाम, 25 मई को हेमकुंड साहिब के कपाट खुलेंगे. ऐसे में प्रशासन ने इस बार यात्रा में कुछ नए नियम जोड़े हैं. इसमें सोशल मीडिया पर वीडियो और रील बनाने वालों के लिए भी खास नियम बनाया गया. इस बार मंदिर के अंदर वीडियो और रील बनाने पर रोक लगा दी गई है. ऐसे में अगर कोई वीडियो या रील बनाता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे बिना दर्शन किए ही वापस भेज दिया जाएगा. हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु इस यात्रा पर आते हैं. इस बार की चारधाम यात्रा के लिए अब तक 9 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है. चारधाम यात्रा में इस बार श्व्द्ध दर्शन भी बंद कर दिए गए हैं. बद्रीनाथ धाम के पंडा पंचायत के कोषाध्यक्ष अशोक टोडरिया ने कहा कि पैसे लेकर दर्शन करवाना भगवान की मयार्दा के खिलाफ है. ऐसे में इस बार सभी लोग सामान्य दर्शन ही कर पाएंगे, जिससे सभी को दर्शन करने का मौका मिलेगा. यात्रा मार्ग को 10-10 किलोमीटर के हिस्सों में बांटा गया है. हर हिस्से में 6 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं. यात्रा को सही तरीके से संचालित करने के लिए सरकार ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों माध्यम से रजिस्ट्रेशन की सुविधा देगी. इस बार 60 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किए जाएंगे और 40 प्रतिशत ऑफलाइन होंगे. पर्यटन विभाग के अनुसार इस साल यात्रियों की संख्या अधिक होने की संभावना जताई जा रही है. इसलिए ऑनलाइन पंजीकरण को लेकर नई व्यवस्था की जा रही है. सरकार की योजना है कि यात्रा के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेहतर मैनेजमेंट किए जाएं, जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो. यात्रा से पहले श्रद्धालुओं को अपनी बुकिंग कन्फर्म करानी होंगी, जिससे कि किसी भी तरह की असुविधा न हो.

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए ऋषिकेश और हरिद्वार में काउंटर बनाए जाएंगे.

ईद से पहले डीजीपी ने दिए निर्देश, 'ड्रोन कैमरे तैनात किए जाएं

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज और ईद-उल-फितर के दौरान किसी भी नयी परंपरा पर सख्त प्रतिबंध लगाने और संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी का बुधवार को निर्देश दिया. पुलिस प्रमुख ने निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए, सतर्कता के लिए ड्रोन कैमरे तैनात किए जाएं और दंगा नियंत्रण उपायों को पूरी तरह से तैयार रखा जाए. डीजीपी ने राज्य भर के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जारी निर्देश में जोर देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था एक सुव्यवस्थित क्षेत्र और सेक्टर योजना पर आधारित होनी चाहिए. संवेदनशील और अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाए, जिसमें मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ अधिकारियों सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती होनी चाहिए.

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उद्योग विभाग द्वारा देहरादून में आयोजित उत्तराखण्ड उद्यमी कॉन्क्लेव का शुभारम्भ किया

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्य सचिव रतूड़ी ने कहा कि श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष फोकस किया जाना चाहिए उन्होंने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई के योगदान में हो रही निरंतर वृद्धि के लिए उद्योग विभाग की सराहना की। मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पीस टू प्रोस्पेरीटी के बारे में बताते हुए कहा की उत्तराखण्ड में वातावरण औद्योगिक अनुकूल है और ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में तीन लाख करोड़ के एमओयू में से नब्बे हजार करोड़ की ग्राउंडिंग हो चुकी है। उन्होंने उत्तराखण्ड के रणनीतिक निवेश कार्ययोजना की प्रशंसा करते हुए इसे राज्य के लिए बेंचमार्क बताया। उनके द्वारा उद्योग विभाग के यू हब इनवेस्टर मित्र और ट्रांसपोर्ट सब्सिडी जैसे नवाचारों की सराहना की गई। मुख्य सचिव ने उद्योग विभाग को लघु उद्योगों की लिस्टिंग के लिए प्रेरित किया जिससे उन्हें वैश्विक स्तर पर अधिक निवेश प्राप्त हो सके। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में उत्तराखण्ड की उपलब्धियों के बारे मे चर्चा करते हुए बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में उत्तराखण्ड टॉपअचीवर, और स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर केटेगरी में शामिल है, साथ ही उत्तराखण्ड निर्यात के मामले में हिमालयी राज्यों में प्रथम स्थान पर है। अंकिता पांडे, निदेशक एमएसएमई मंत्रालय ने विलंबित भुगतान के लिए विवाद निवारण पर चर्चा की। कार्यक्रम में स्टार्ट अप ग्रांड चैलेंज के उद्यमियों को पुरस्कृत किया गया। सेतु आयोग के एडवाइजर हनुमंत रावत ने बताया कि सतत विकास के माध्यम से राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए लघु उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता को बढ़ा सकते हैं। साथ ही कार्यक्रम में उत्तराखण्ड में रैंप योजना का शुभारंभ करने के साथ-साथ एक वर्कशाप का आयोजन भी किया गया। एमएसएमई इकाइयों के प्रदर्शन में सुधार के लिए विश्व बैंक पोषित रैंप योजना के राज्य में आरंभ होने से वैश्विक स्तर पर हमारे उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। उत्तराखण्ड को रैंप के अंतर्गत 100 करोड़ का बजट आउटले प्राप्त हुआ है।

कार्यक्रम में रैंप पोर्टल और एक्सपोर्ट पोर्टल का लॉन्च किया गया। साथ ही गति शक्ति पर एक पुस्तिका भी लॉन्च की गई।कार्यक्रम में सचिव विनय शंकर पांडे, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के निदेशक विनम्र मिश्रा, रटए लिस्टिंग के वाइस प्रेसिडेंट हरीश आहूजा, उद्योग विभाग के सभी अधिकारियों समेत भारत सरकार के अधिकारी व अन्य अतिथि मौजूद रहे।

अधिवक्ता अनुज सत्य प्रकाश दुबे आमरण अनशन न केवल वकालत जगत की एकता का प्रतीक : राजेश श्रीवास्तव

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। एड-वोकेट, हाईकोर्ट लखनऊ के राजेश श्रीवास्तव ने आपने सोसल मीडिया पोस्ट पर अधिवक्तासत्य प्रकाश दुबे के लिए लिखा की " प्रिय अनुज सत्य प्रकाश दुबे,एडवोकेट, लखनऊ" आपके अदम्य साहस, निःस्वार्थ समर्पण और अधिवक्ता समाज के अधिकारों की रक्षा हेतु किए गए ऐतिहासिक संघर्ष को सादर नमन। 24 मार्च 2025 से जारी आपका आमरण अनशन न केवल वकालत जगत की एकता का प्रतीक बना, बल्कि सरकार को भी अधिवक्ताओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूक करने में मील का पत्थर साबित हुआ। आपका यह त्याग, आपका अडिग निश्चय, और आपका संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। लखनऊ की समस्त बार एसोसिएशनों द्वारा दिए गए समर्थन और उनके ठोस आश्वासन के बाद, अनशन समाप्त करने का आपका निर्णय केवल आपकी व्यक्तिगत विजय नहीं, बल्कि सम्पूर्ण अधिवक्ता समाज की जीत है। यह क्षण अधिवक्ताओं के संघर्षशील इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जाएगा।आपने जो दीप प्रज्वलित किया है, वह अन्याय के अंधकार को भेदते हुए, न्याय और सुरक्षा की राह को और अधिक उज्जवल करेगा। आपके इस ऐतिहासिक योगदान के लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं और आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि सरकार अब अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लागू करने की दिशा में ठोस और सार्थक कदम उठाएगी।

"आपका संघर्ष हमारी शक्ति है, आपकी विजय सम्पूर्ण अधिवक्ता समाज की विजय!"

बुलडोजर एक्शन नहीं होने पर अखिलेश यादव बोले- 'विदाई की बेला में पद के साथ पहचान भी छीन लेंगे'

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तर प्रदेश के आगरा में करणी सेना से जुड़े लोगों ने राणा सांगा के बारे में विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार को हमला किया. ये हमला ऐसे वक्त में हुआ जब सीएम योगी आदित्यनाथ भी आगरा में एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे. इस स्थिति में अब आगरा पुलिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे को उठाया है. अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया के जरिए एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'अब बुलडोजर भी छिन गया क्या? अब बुलडोजर कोई और चलवा रहा है और कोई और चला रहा है. अब क्या विदाई की बेला में पद के साथ पहचान भी छीन लेंगे. ये अच्छी बात नहीं.' मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो कुबेरपुर से लेकर हरीपर्वत स्थित सांसद के आवास तक 20 किमी में प्रदर्शन करने वालों को रोकने में पुलिस नाकाम रही. दरअसल, सपा सांसद के आवास के अगल-बगल छिपकर बैठे करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की तैयारियों को नाकाम साबित कर दिया. करणी सेना के कार्यकर्ताओं के सामने 50 से 60 की संख्या में तैनात पुलिसकर्मी नहीं टिक पाए. वहां करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह और क्षेत्रीय करणी सेना के अध्यक्ष ओकेंद्र चौहान आए थे. उनके साथ 100 से ज्यादा गाड़ियों पर कार्यकर्ता भी सवार थे. पुलिस के मुताबिक मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने शहर में कई स्थानों पर हमलावरों को रोकने की कोशिश की और उनके प्रयासों से एक बड़ी घटना को टालने में मदद मिली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना की निंदा करते हुए मामले में सीएम योगी और उनकी सरकार पर जुबानी हमला बोला है. इस घटना में करीब 10 पुलिकर्मी भी घायल हो गए हैं.

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

सीएम योगी के नेतृत्व में संकल्प परियोजना ने यूपी में भरी उड़ान

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 8 वर्षों में प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। इस दौरान संकल्प परियोजना (आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता) ने युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत सरकार और विश्व बैंक के वित्तीय सहयोग से संचालित इस परियोजना ने प्रदेश में न केवल कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक और समावेशी बनाया, बल्कि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। बीते आठ वर्षों में योगी सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के तहत संकल्प परियोजना ने उत्तर प्रदेश को कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया है, जो युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुई है। संकल्प परियोजना ने योगी सरकार के 8 वर्षों में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को नई दिशा दी है। यह परियोजना न केवल युवाओं को रोजगार के लिए तैयार कर रही है, बल्कि वंचित समुदायों को सशक्त बनाकर सामाजिक समावेशन को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल शिक्षा, औपचारिक शिक्षा से तालमेल, और आधुनिक तकनीक पर जोर देकर संकल्प परियोजना ने उत्तर प्रदेश को कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाया है।

संकल्प परियोजना के क्रियान्वयन से स्किल ईको सिस्टम में आया क्रांतिकारी बदलाव

प्रदेश के स्किल ईको सिस्टम में गुणात्मक सुधार लाने और युवाओं को रोजगार के लिए सक्षम बनाने के लिए संकल्प परियोजना के तहत वर्ष 2019-20 में भारत सरकार से 74.48 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट स्वीकृत कराया गया। इसके लिए कई नवाचारी और संस्थागत हस्तक्षेप किए गए, जिसमें जिला कौशल विकास योजना (डीएसडीपी) की तैयारी, क्षेत्रीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकताओं और रोजगार संभावनाओं के आधार पर प्रशिक्षण योजनाओं का संचालन, कौशल प्रतियोगिताओं और रोजगार मेलों का आयोजन को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। पहली बार जिला कौशल समिति के माध्यम से डीएसडीपी का निर्माण कराया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करते हैं। वर्ष 2021-22 में डीएसडीपी की सिफारिशों के आधार पर लक्ष्य आवंटन सुनिश्चित किया गया, जिससे क्षेत्रीय सहभागिता के साथ कौशल प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक बनाया गया है।

उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देकर युवाओं और महिलाओं का किया गया सशक्तीकरण

उत्तर प्रदेश में संकल्प परियोजना द्वारा युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इन्टरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के माध्यम से अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालित किए गए। इसके तहत जनपद गोरखपुर में 1,475 युवा उद्यमियों और उत्साही युवाओं को लाभान्वित किया गया। स्वरोजगार की संकल्पना को साकार करने के लिए आरडीटी मॉडल के आधार पर अनुसूचित जाति/जनजाति की 660 महिलाओं को मीडिया एंड एंटरटेनमेंट सेक्टर में प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रयासों ने न केवल युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया, बल्कि वंचित समुदायों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पहल को युवा शक्ति के सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य हर युवा को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे न केवल नौकरी पाएं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें।

यूपी में डिजिटल और औपचारिक शिक्षा से जोड़ा गया कौशल प्रशिक्षण

योगी सरकार ने संकल्प परियोजना के जरिए कौशल प्रशिक्षण को डिजिटल और औपचारिक शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश के युवाओं को किसी भी समय और स्थान से निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की सुविधा देने के लिए एनसीवीईटी द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के डिजिटल संस्करण लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाले 63,000 छात्र-छात्राओं को उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही, इंजीनियरिंग कॉलेजों को प्रशिक्षण प्रदाताओं के रूप में अनुबंधित कर उनकी अवस्थापना और फैकल्टी का उपयोग सुनिश्चित किया गया, ताकि उच्च स्तरीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। संकल्प परियोजना ने समाज के उपेक्षित वर्गों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। महिला संरक्षण गृह की संवासिनियों, किशोर सुधार गृह के किशोरों और कारागार बंदियों को आजीविका के लिए सक्षम बनाने के लिए 2,958 व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया। दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए, जिसमें 2,200 दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा गया। इसके साथ ही, 10,000 महिला प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण और निर्भया किट प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप कैरियर चुनने में मदद के लिए कैरियर काउंसलिंग एजेंसी के माध्यम से 1,00,000 प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित किया गया। इन प्रयासों ने वंचित समुदायों को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में सम्मानजनक बदलाव लाया।

स्किल ईको सिस्टम को आधुनिक तकनीक के अनुरूप किया सुदृढ़

आधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए आईआईटी मंडी (हिमाचल प्रदेश) में 100 छात्रों, 50 राजकीय आईटीआई अनुदेशकों और 50 विज्ञान शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और एडवांस कम्प्यूटिंग में प्रशिक्षण दिया गया। उत्तर प्रदेश आईटी-आईटीईएस नीति 2022 के तहत उद्योगों में आईटी प्रशिक्षित कर्मियों की मांग को पूरा करने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) सहयोगी के रूप में अनुबंधित करने की गाइडलाइंस तैयार की गईं। इन कदमों ने स्किल ईको सिस्टम को आधुनिक तकनीक के अनुरूप सुदृढ़ किया और युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया।

संक्षिप्त डायरी

8 वर्षों में सरकार ने विकास की नई गाथा लिखी,जनता की कसौटी पर सरकार खरी उतरी - राजेश गौतम

सुलतानपुर/ भव्य खबर । उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले 8 वर्षों में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस दौरान सुशासन, सुरक्षा और समग्र विकास को प्राथमिकता दी गई है। कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने कादीपुर ब्लाक सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जनता की कसौटी पर खरी उतरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने समाजवादी पार्टी के माफिया राज और पिछड़ेपन को पीछे छोड़ते हुए विकास के नए मानदंड स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है और बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, और गरीबों की भलाई के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। कादीपुर विधानसभा क्षेत्र में भी कई विकास कार्य हुए हैं, जिनमें पालिटेक्निक कालेज, नवोदय विद्यालय, नए बस अड्डे, अग्नि शमन केंद्र, और कोरोना काल में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना शामिल है।विधायक राजेश गौतम ने कादीपुर-अखंडनगर मार्ग को डबल लेन बनाना, धोपाप मार्ग, करौंदीकलां-रवनिया मार्ग, दोस्तपुर- कामतागंज-नेमपुर घाट मार्ग, और डेवाढ घाट पर नवीन सेतु निर्माण की भी चर्चा की। इसके अलावा, दोस्तपुर मुड़िला सुरापुर मार्ग और दोस्तपुर कादीपुर चांदा मार्ग के चौड़ीकरण के साथ-साथ बिजेथुआ धाम में कोरीडोर निर्माण और सूरापुर को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम में एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य घनश्याम चौहान, नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद जायसवाल, कादीपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. श्रवण मिश्रा और अन्य प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे।

दानिश अंसारी बोले- वक्फ एक्ट से गरीब मुसलमानों को मिलेगा फायदा, अखिलेश यादव को चाहिए सत्ता सुख

सुलतानपुर/ भव्य खबर । उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने मोदी सरकार की मुस्लिम कल्याण नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने मुस्लिम समाज के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाई है। वक्फ अमेंडमेंट एक्ट के जरिए अब गरीब मुसलमानों को लाभ मिलेगा, जो उनके विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री अंसारी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनकी सरकार में भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा मिला, जबकि कुछ राजनीतिक नेता मुस्लिम समाज को गुमराह करके अपनी रोटियां सेंक रहे हैं। दानिश अंसारी ने मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है, साथ ही मदरसों में आधुनिक शिक्षा और एनसीसी-एनएसएस की शुरूआत की गई। मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को ट्रिपल तलाक से मुक्ति दिलाई और उन्हें कौशल विकास से जोड़ा। योगी सरकार द्वारा गरीबों के इलाज के लिए खर्च की गई राशि में 30 प्रतिशत से अधिक राशि मुस्लिम समाज पर खर्च की गई है। उन्होंने ईद के मौके पर प्रधानमंत्री द्वारा दी जा रही सौगात का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार चाहती है कि पसमांदा और गरीब मुसलमान खुशी से त्योहार मनाएं, जो एकता और भाईचारे का प्रतीक है। इस दौरान मंच पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, डीएम कुमार हर्ष, एसपी कुमार अनुपम सिंह, सीडीओ अंकुर कौशिक और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिन्होंने राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। मंत्री ने मंच से मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से बताया।

बीए शिक्षाशास्त्र के छात्रों ने आंगनवाड़ी केंद्र का किया सर्वेक्षण

सुलतानपुर/ भव्य खबर । आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों तक बुनियादी स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं पहुंचाना है, ताकि बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं का समग्र विकास और पोषण सुनिश्चित हो सके। बीए शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थियों ने इसी उद्देश्य के तहत प्राथमिक विद्यालय डिहवा में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का सर्वेक्षण किया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्राचार्य प्रो. डी.के. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को आंगनवाड़ी केंद्र का सर्वेक्षण करते समय उनके काम की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा, "आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग तक आवश्यक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, और यह सर्वेक्षण इस प्रक्रिया के सुधार में अहम भूमिका निभाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. शिल्पी सिंह ने सर्वेक्षण की प्रक्रिया को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, इसका उद्देश्य केंद्र की कार्यक्षमता, सेवाओं की गुणवत्ता और लाभार्थियों की स्थिति का मूल्यांकन करना है, ताकि भविष्य में सुधार की दिशा में कदम उठाए जा सकें।असिस्टेंट प्रो. सीमा कुशवाह ने भी सर्वेक्षण की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि सभी लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं मिल रही हैं, और इसके आधार पर योजनाओं में सुधार भी किया जा सकता है। इस मौके पर आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकत्री सीमा रानी, सुशीला देवी, उषा रानी, इशरत बानो, सहायिका मीरा देवी, बीना पांडेय और शाहीन बेगम ने विद्यार्थियों के सवालों का उत्तर दिया। विद्यार्थियों ने इन से मिली जानकारी के आधार पर अपनी सर्वे रिपोर्ट तैयार की। इस कार्यक्रम में बीए शिक्षाशास्त्र के षष्टम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे।

सपा सांसद के घर पर हुए हमले पर डिंपल यादव बोलीं- 'वे दलित नेता हैं, सरकार की मंशा साफ है

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। आगरा में करणी सेना से जुड़े लोगों ने राणा सांगा के बारे में विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार को हमला किया. यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा में मौजूद थे. इस घटना पर अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव की प्रतिक्रिया आई है.सपा सांसद डिंपल यादव ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आवास के बाहर तोड़फोड़ और पथराव पर कहा, "यह जो हमला हुआ है हम उसकी निंदा करते हैं. वे (रामजी लाल सुमन) एक दलित नेता हैं. अगर सरकार की मंशा साफ है, तो इन सभी करणी सेना के अपराधियों को जेल भेजा जाए.उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, "अखिलेश को अपनी सरकार याद करनी पड़ेगी. उन्होंने उत्तर प्रदेश में तुष्टीकरण की राजनीति की. एटा , इटावा और मैनपुरी के आगे सोचते नहीं थे. देश और प्रदेश को अब तुष्टीकरण पसंद नहीं है. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का कोई आरोप उत्तर प्रदेश की जनता पर असर करने वाला नहीं है. करणी सेना के अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अमू ने राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी करने वाले सपा के राज्यसभा सदस्य और उनकी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से माफी की मांग की. अमू ने यह भी स्वीकार किया कि उनके कार्यकर्ताओं को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए था.सांसद रामजी लाल सुमन के बेटे रणजीत ने आरोप लगाया कि करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हरिपर्वत चौराहे के पास स्थित उनके घर में घुसकर खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए. उन्होंने कहा कि लाठी-डंडे और तलवार लिए हमलावरों ने परिसर में खड़ी कारों में भी तोड़फोड़ की. रणजीत ने कहा, ह्यसोशल मीडिया पर कई दिनों से मेरे पिता के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है. दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि आवास का घेराव किया जाएगा. पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि धमकी देने वालों को संरक्षण दिया.

विधानसभा में विपक्षी विधायकों ने उठाई कुर्सियां

कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी सी.एम बैठे रहे, फिर सम्राट से पूछा-स्पीकर कहां गए

पटना। विधानमंडल में बजट सत्र के 17वें दिन वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष ने सदन में जोरदार हंगामा किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राजद और माले विधायक वेल में पहुंच गए। इस दौरान कुछ विधायकों ने कुर्सी उठा ली। टेबल भी पलटने की कोशिश करने लगे। इस दौरान स्पीकर नंद किशोर यादव ने विधायकों को कई बार अपनी जगह पर बैठने को कहा, लेकिन वो नहीं माने। स्पीकर ने कहा, '18 दिन आप के सहयोग से सदन अच्छे से चला है। अब बस दो दिन बचे हैं। क्यों हंगामा कर रहे हैं। सदन को चलने दे।' स्पीकर के अपील के बाद भी विपक्षी विधायक हंगामा करते रहे। फिर स्पीकर ने कहा, 'आप जो कर रहे हैं, वो बच्चे भी देख रहे हैं। क्या चाहते हैं सदन स्थगित कर दें।' जिसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के

लिए स्थगित कर दी। सदन 10 मिनट ही चल सका। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी सीएम नीतीश बैठे रहे। उन्होंने माले विधायक महबूब आलम से मांगों को लेकर पत्र मांगा। सीएम नीतीश पत्र पढ़ने में मशगूल रहे। हाउस एडजॉर्न के बारे में विपक्ष से पूछते दिखे। फिर सम्राट चौधरी ने सीएम को सदन की कार्यवाही स्थगित होने की जानकारी दी। फिर उन्होंने इशारों में पूछा- 'स्पीकर कहां गए।' बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव ने राबड़ी देवी को राबड़ी देवी को नीतीश से बेहतर मुख्यमंत्री बताया है। दोनों ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ' मुख्यमंत्री की ऐसी आपत्तिजनक भाषा, दुर्व्यवहार, अशिष्ट आचरण और अपमान नारी शक्ति का घोर अपमान है और महिलाओं को दोयम समझने वाली पुरुष वादी मानसिकता का भी परिचायक है।' नीतीश कुमार जी को अपने इस आचरण, इस टिप्पणी के लिए तुरंत प्रभाव से बिहार की

महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।' दरअसल, सत्र के 16वें दिन राजद विधायक हरे रंग के टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे। विधान परिषद में विपक्षी सदस्यों के टीशर्ट को देखकर मुख्यमंत्री भड़क गए। उन्होंने टीशर्ट पर लिखे स्लोगन को पढ़ते हुए राबड़ी देवी से बैठने को कहा। सीएम ने कहा- 'आपका क्या है, सब आपके हसबैंड का किया हुआ है। इस बेचारी को कुछ पता है। मैं तो यही पूछ रहा हूं कि क्यों इसे (स्लोगन वाले टीशर्ट) पहन कर आए हैं।' इस दौरान राबड़ी देवी बीच-बीच में उनके बयान का विरोध करती रहीं। नीतीश कुमार ने राबड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा- इसका कोई मतलब है। कोई मतलब नहीं है। कोई काम नहीं करते थे ये लोग। सदन में आज सवाल-जवाब के साथ ध्यानाकर्षण होगा। खान एवं भूतत्व विभाग, नगर विकास आवास विभाग की ओर से जवाब दिया जाएगा। बिहार विधान परिषद में प्रश्नोत्तर के अलावा बिहार नगर कल्याण निबंधन नियमावली 2021, बिहार नगरपालिका राजस्व एवं लेखा संवर्ग नियमावली 2021, बिहार नगरपालिका लिपिकीय संवर्ग नियमावली 2021 और बिहार नगर प्रबंधक संवर्ग संशोधन नियमावली 2021 की एक-एक प्रति सदन में रखी जाएगी। ध्यानाकर्षण में राज्य के वित्त अनुदानित शिक्षण संस्थानों की बकाया सैलरी का एकमुश्त भुगतान करने, नियमित वेतन संरचना से संबंधित नीतिगत फैसला लेने, भूमि सुधार उप समाहर्ता के पद पर तत्काल पदोन्नति प्राप्त राजस्व सेवा के अधिकारी को पदस्थापित किए जाना होगा। इसके अलावा राज्य के दिव्यांग कर्मी-पदाधिकारी को ऊपरी पदभार-वेतन देने, बेतिया राज की एक लाख एकड़ भूमि का दाखिल-खारिज और मालगुजारी वसूली बंद किए जाने का ध्यानाकर्षण पर सरकार का वक्तव्य होगा।

बहन की शादी ठेला के लिए दुखन ने लिया था कर्ज

भागलपुर। के लोदीपुर थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर सोमवार रात भागवत कथा के दौरान हुए आइसक्रीम विक्रेता दुखन तांती की मुंह में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी अपराधी पांडु यादव को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर एक पिस्टल, एक मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा बरामद किया गया है। दुखन ने 6 महीने पहले बैंक और ग्रामीण इलाके में चलने वाले महिलाओं की कमेटी से लोन लिया था। कर्ज लेकर उसने अपनी बहन की शादी की थी। परिवार को अब चिंता सता रहा है कि अब कैसे कर्ज चुकाएंगे ? दुखन ने डेढ़ साल पहले ही शादी की थी। दोनों के बच्चे नहीं है। घर के आर्थिक हालत ऐसी है कि दिनभर कमाने के बाद ही शाम में चूल्हा जलता है। दुखन की मौत के बाद पत्नी और मां का रो-रोकर बुरा हाल है। मां का कहना है कि स्थानीय

जनप्रतिनिधि और प्रशासन से मुआवजा मिल जाता तो मदद हो जाती।दुखन चार भाई में दूसरे नंबर पर थे। पहले नंबर पर मंटू तांती, दूसरे नंबर पर दुखन तांती (मृतक), तीसरे नंबर पर सोनी कुमार और छोटा भाई सूरज कुमार है। वहीं एक बहन अलका कुमारी है। सभी भाई अलग-अलग रहते हैं। दुखन अपनी मां और पत्नी के साथ रहता था। घटना की रात दुखन ने पत्नी से कहा था कि मैं आइसक्रीम बेचकर आता हूं। तुम खा-पीकर सो जाना। तुम्हारा तबीयत खराब है तुम्हारी।पति हमको छोड़कर चले गए पत्नी ने कहा कि पति आइसक्रीम बेचने गया था। उसे गोली मार दी गई। अब मेरा कोई नहीं है। बच्चे भी नहीं है। पति भी छोड़कर चले गए। पति ने आखिरी बार यही कहा था कि हम आइसक्रीम बेचने जा रहे हैं। तुम खाना बनाकर खा के सो जाना, अब पति हमको छोड़कर चले गए।घटना की जानकारी घर वालों में सबसे पहले दुखन की मां को मिली थी। भागवत कथा के दूसरे दिन आइसक्रीम बेचने बेटा गया था। उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। बेटे पर भरोसा था कि धीरे-धीरे काम कर साल भर में कर्ज खत्म हो जाएगा। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि थाना वाला भगा देता है। वो लोग कहते हैं कि बेटे को घर में नहीं रख पाती हो, यहां-वहां बेचने भेजती हो।इस मामले में SSP हृदय कांत ने कहा है कि सत्संग वाले जगह पर पुलिस टीम की तैनाती पहले से थी। इसके बाद भी हत्या की घटना को अंजाम देकर अपराधी कैसे भाग गए, इसकी जांच होगी। पुलिस टीम से भी पूछताछ की जाएगी। गिरफ्तार आरोपी का अपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। आरोपी नशे का आदि था और इसके लिए वह किसी के साथ कुछ भी करने को तैयार रहता था। आसपास के लोग भी उससे परेशान थे। सिटी SP शुभांक मिश्रा ने बताया कि अपराधी ने आईसक्रीम नहीं देने पर फायरिंग की, जिससे दुखन की मौत हो गयी। सूचना मिलने के 10 मिनट के अंदर पुलिस टीम वहां पहुंची और घायल को मायागंज अस्पताल इलाज के लिए पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

प्रेमिका से झगड़े के बाद युवक ने लगाई छलांग

मुंगेर। मुंगेर के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एक घटना सामने आई है। श्री कृष्ण सेतु से एक युवक ने गंगा नदी में छलांग लगा दी। कासिम बाजार थाना क्षेत्र के मकससपुर निवासी राज कुमार राम के 25 साल के बेटे चिराग उर्फ धीरज कुमार की तलाश गोताखोर कर रहे हैं। राजमिस्त्री का काम करने वाला धीरज अपने दोस्तों के साथ सेतु पर घूमने गया था। इस दौरान उसके मोबाइल पर एक लड़की का फोन आया। फोन पर हुई नोकझोंक के बाद वह सीधे श्री कृष्ण सेतु पर पहुंच गया। युवक ने अपने रिश्तेदार की बहन को फोन कर बताया कि वह आत्महत्या करने सेतु पर आया है। परिजनों को तुरंत बुलाने को कहा। परिजनों ने डायल-112 पर सूचना दी और सेतु की ओर रवाना हो गए। पुलिस को देखते ही नदी में लगाई छलांग सेतु पर पुलिस और परिजन एक साथ पहुंचे। पुलिस को देख युवक आक्रोशित हो गया। उसने परिजनों से कहा कि उसने सिर्फ उन्हें बुलाया था, पुलिस को क्यों लाए। जैसे ही पुलिस वाहन से उतरी, युवक ने गंगा में छलांग लगा दी। परिजन और पुलिस कुछ कर नहीं पाए। घटना के बाद पुलिस और परिजन ने इसकी जानकारी सदर एसडीओ शैलेन्द्र कुमार सिंह को दी। एसडीओ शैलेंद्र सिंह ने जिला आपदा प्रभारी कुमार अभिषेक की मदद से लापता युवक को खोजने के लिए मोटरवोट से गोताखोर को लगाया, मगर अबतक युवक की तलाश नहीं हो पाई है। घटना को लेकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस मामले को लेकर कासिम बाजार थानाध्यक्ष रुबीकांत कच्छप ने बताया कि 112 पर सूचना आने के बाद थाना की पुलिस परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली। गोताखोर की ओर से गंगा में युवक को खोजने का प्रयास किया जा रहा है। अबतक कोई पता नहीं चल पाया है।

8 घंटा पढ़ाई के साथ ली यूट्यूब की मदद

जमुई। बिहार बोर्ड इंटर परीक्षा 2024 में जमुई की बेटी अनुप्रिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। उत्क्रमित उच्च विद्यालय मिजार्गंज की इस होनहार छात्रा ने साइंस स्ट्रीम में पूरे राज्य में चौथा स्थान हासिल किया है। इससे पहले मैट्रिक परीक्षा में भी अनुप्रिया ने 13वां रैंक प्राप्त किया था।अनुप्रिया बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और अब उनका लक्ष्य मेडिकल की पढ़ाई के बाद आईएएस बनना है। उनकी इस सफलता पर माता-पिता बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। अनुप्रिया के पिता एक शिक्षक हैं और मां गृहिणी हैं, जिन्होंने अपनी बेटी को आगे बढ़ने के लिए पूरा सहयोग दिया। टॉपर बेटी का कहना है कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और हर बच्चे को पढ़ाई को गंभीरता से लेना चाहिए।उनकी इस उपलब्धि पर स्कूल और समाज के लोग भी उत्साहित हैं। 8 घंटा हर दिन करती थी पढ़ाई अनुप्रिया ने बताया कि 7 से 8 घंटा हर दिन पढ़ते थे, इसे

मेंटेन रखते थे।इसके बाद ऑनलाइन क्लासेस, ऑनलाइन कोचिंग के साथ यूट्यूब से मदद लेते थे। जो भी सब्जेक्ट अच्छा लगता था। उसे यूट्यूब से पढ़ते थे।उन्होंने बताया कि मेरा फेवरेट सब्जेक्ट फिजिक्स है। मैट्रिक में 13वां स्थान इंटर में चौथा रैंक को लेकर कहा कि मैट्रिक मैं क्या गलतियां हुई थी। उसको सुधारने की कोशिश की। मेरी सफलता में मेरे माता-पिता और हमारे शिक्षक का बहुत बड़ा योगदान है। अनुप्रिया ने कहा कि उनका लक्ष्य मेडिकल की पढ़ाई के बाद आईएएस बनना है और समाज की सेवा करना है।अनुप्रिया ने जमुई के बेटियों को संदेश दिया है कि खूब पढ़े,पढ़ाई नहीं करोगे तो कम उम्र में शादियां कर दी जाती है।सबको पढ़ना जरूरी है।

'बिहार में युवाओं के लिए रोजगार नहीं

सहरसा में कन्हैया कुमार ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- 19 साल में नौकरियां नहीं दीं

सहरसा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने मंगलवार को सहरसा के बनगांव में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। बनगांव के भगवती स्थान पर स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकताओं ने पारंपरिक पाग, चादर और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। जनसभा को संबोधित करते हुए कन्हैया कुमार ने बिहार सरकार के 19 साल के शासन पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय में भी बेरोजगारी की समस्या जैसी की तैसी है। उन्होंने सरकार से पूछा कि युवाओं को कितनी नौकरियां मिलीं। युवाओं को 19 साल में नौकरी नहीं मिली है। रोजगार की कमी से युवा कर रहे पलायन कन्हैया ने बताया कि रोजगार की कमी से बिहार के लाखों युवा दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ वादे करती है। शिक्षा और रोजगार में सुधार के बिना राज्य का विकास नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता ने सरकार से नीतियों पर पुनर्विचार करने और युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर बनाने की मांग की। कन्हैया ने लोगों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के लिए जागरूक बनें। ऐसी सरकार चुनें जो युवाओं के भविष्य को प्राथमिकता दे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे। कन्हैया ने बिहार में रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने के लिए लगातार आवाज उठाने का वादा किया।

लालू बोले-वक्फ संशोधन बिल का नीतीश समर्थन कर रहे

पटना। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ गर्दनीबाग में मुस्लिम संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों के प्रदर्शन को आरजेडी का समर्थन मिला है। धरनास्थल पर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा, 'गलत हो रहा है। सरकार को देखना चाहिए। हम इसके विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नीतीश कुमार उनलोगों के साथ है, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं। जनता सब समझ रही है।' वहीं, सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 'किसी भी कीमत पर नागपुरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। आप लोगों की लड़ाई में मजबूती से हम साथ हम खड़े हैं। आप लोग एक कदम चलिएगा तो हम चार कदम चलेंगे। 'इस कानून को रोकने का काम करेंगे। कुछ लोग साजिश कर रहे हैं। देश को तोड़ने का काम किया जा रहा है।'आरजेडी MLC सुनील सिंह ने कहा, 'इसका असर पूरे देश में होगा। हमलोग गोडसे के आदर्श पर नहीं चलते हैं। जिस पर फर वाले चलते हैं। हमारे नेता लालू यादव इसका विरोध कर रहे हैं। हमलोग मरते दम तक इस बिल का विरोध करेंगे। भारत धर्म निरपेक्ष देश है। ये हमारी खूबसूरती है। सीएम नीतीश कुमार पर बोलना अभी सही नहीं होगा। वो कभी नीम-नीम, कभी शहद-शहद वाली बात बोलते हैं। ये उनकी रणनीति रही है। मुस्लिम संगठनों के प्रदर्शन को आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का भी समर्थन मिला है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए चंद्रशेखर आजाद पटना पहुंचे हैं। उन्होंने कहा- ऑल इंडिया

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रदर्शन को विकासशील इंसान पार्टी ने भी अपना समर्थन दिया है। धरनास्थल पर पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने कहा कि हमारे नेता मुकेश सहनी इस बिल का शुरू से विरोध कर रहे हैं। हमारे नेता का कहना है कि यह बिल भीमराव अंबेडकर के संविधान के विरोध में है। वक्फ अरबी भाषा के वकुफा शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है रुकना या ठहरना। इस्लाम में वक्फ दान का एक तरीका है, ऐसी संपत्ति जो समाज के लिए समर्पित की गई हो। अपनी संपत्ति वक्फ को देने वाला इंसान वकिफा कहलाता है। वकिफा दान देते वक्त ये शर्त रख सकता है कि उसकी संपत्ति से होने वाली आमदनी सिर्फ पढ़ाई पर या अस्पतालों पर ही खर्च हो। 27 देशों के वक्फ की संपत्तियों पर काम करने वाली संस्था औकाफ प्रॉपर्टीज इन्वेस्टमेंट फंड यानी AIPF के मुताबिक कानूनी शब्दों में कहें तो इस्लाम में कोई व्यक्ति जब धार्मिक वजहों से या ईश्वर के नाम पर अपनी संपत्ति दान करता है तो वो वक्फ कहलाता है। इसमें चल या अचल संपत्ति दोनों हो सकती है। आमतौर पर वक्फ की संपत्ति या इससे होने वाली आमदनी को शैक्षणिक संस्थाओं, कब्रिस्तानों, मस्जिदों में धर्मार्थ और अनाथालयों में खर्च किया जाता है। वक्फ में मिलने वाली जमीन या संपत्ति की देखरेख के लिए कानूनी तौर पर एक संस्था बनी, जिसे वक्फ बोर्ड कहते हैं। 1947 में देश का बंटवारा हुआ तो काफी संख्या में मुस्लिम देश छोड़कर पाकिस्तान गए थे। वहीं, पाकिस्तान से काफी सारे हिंदू लोग भारत आए थे। 1954 में संसद ने वक्फ एक्ट 1954 के नाम से कानून बनाया। इस तरह पाकिस्तान जाने वाले लोगों की जमीनों और संपत्तियों का मालिकाना हक इस कानून के जरिए वक्फ बोर्ड को दे दिया गया। 1955 में यानी कानून लागू होने के एक साल बाद, इस कानून में बदलाव कर हर राज्यों में वक्फ बोर्ड बनाए जाने की बात कही गई। इस वक्त देश में अलग-अलग प्रदेशों के करीब 32 वक्फ बोर्ड हैं, जो वक्फ की संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन, देखरेख और मैनेजमेंट करते हैं। बिहार समेत कई प्रदेशों में शिया और सुन्नी मुस्लिमों के लिए अलग-अलग वक्फ बोर्ड हैं। वक्फ बोर्ड का काम वक्फ की कुल आमदनी कितनी है और इसके पैसे से किसका भला किया गया, उसका पूरा लेखा-जोखा रखना होता है। इनके पास किसी जमीन या संपत्ति को लेने और दूसरों के नाम पर ट्रांसफर करने का कानूनी अधिकार है। बोर्ड किसी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी नोटिस भी जारी कर सकता है। किसी ट्रस्ट से ज्यादा पावर वक्फ बोर्ड के पास होती है।

संक्षिप्त डायरी

इंटर परीक्षा में सिमुलतला आवासीय विद्यालय का प्रदर्शन निराशाजनक

जमुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट सिमुलतला आवासीय विद्यालय का इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम लगातार गिरता जा रहा है। कभी टॉपर्स की फैक्ट्री हे जाने वाले इस प्रतिष्ठित स्कूल के छात्र अब टॉपर्स सूची में जगह नहीं बना पा रहे हैं। BPSC से 22 नए शिक्षकों की बहाली के बावजूद स्कूल का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है। राज्य सरकार ने स्कूल में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए बीपीएससी से चयनित 22 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की थी। लेकिन इसके बावजूद परिणाम में कोई सुधार नहीं दिख रहा। सवाल उठ रहे हैं कि जब शिक्षकों की कोई कमी नहीं है, प्रवेश प्रक्रिया कठिन है और विद्यार्थी मेधावी हैं, तो फिर यह गिरावट किस वजह से हो रही है? लगातार चार सालों से कोई भी छात्र टॉप-5 में नहीं आ सका, जिससे स्कूल की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्कूल के प्राचार्य सुनील कुमार ने कहा कि छात्र गंभीरता से तैयारी कर रहे हैं, लेकिन फिर भी अच्छे परिणाम नहीं आ रहे। उन्होंने एक बड़ा कारण यह बताया कि स्कूल इंग्लिश मीडियम है, जबकि कॉपियां हिंदी मीडियम के शिक्षकों की ओर से जांची जाती हैं। उनका कहना है कि इंग्लिश मीडियम की कॉपियां इंग्लिश मीडियम के शिक्षकों से ही जांच कराई जाए ताकि सही मूल्यांकन हो सके। टॉपर्स की कॉपियां करनी चाहिए सार्वजनिक विद्यालय की स्टूडेंट काजल कुमारी ने कहा कि बिहार बोर्ड को टॉपर्स की कॉपियां सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि बाकी छात्र अपनी गलतियों को समझकर सुधार कर सकें। उन्होंने भी यह सवाल उठाया कि इंग्लिश मीडियम की कॉपियां हिंदी मीडियम के शिक्षकों की ओर से क्यों जांची जा रही हैं। सिमुलतला आवासीय के कई छात्र छात्रा ने सरकार से मांग की है कि टॉपर्स की कॉपियां को डिस्प्ले किया जाय।सवाल अब यह उठ रहा है कि अगर यही स्थिति बनी रही, तो सिमुलतला आवासीय विद्यालय अपना पुराना गौरव खो सकता है।

जमुई-लखीसराय के डकैती कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जमुई। पुलिस ने जमुई और लखीसराय में हुई कई डकैतियों के मास्टरमाइंड को नवादा जिले से गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ सतीश सुमन ने मंगलवार को सिकंदरा थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। मुख्य आरोपी राकेश चौधरी ने 6 और 7 अक्टूबर को दोनों जिलों में कुल छह डकैतियों को अंजाम दिया था। इनमें सिकंदरा, चंद्रदीप, लछुआड़ और लखीसराय के हलसी थाना क्षेत्र की घटनाएं शामिल हैं।पुलिस ने इस मामले में पहले ही 24 घंटे के अंदर 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन मुख्य आरोपी राकेश चौधरी लगातार अपना स्थान बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।छापेमारी टीम ने किया गिरफ्तार डीपीओ को गुप्त सूचना मिली कि राकेश अपने गांव कौवाकोल आया हुआ है। एसपी मदन कुमार आनंद के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में एसडीपीओ के साथ लछुआड़, सिकंदरा और चंद्रदीप के थानाध्यक्ष शामिल थे। छापेमारी अभियान में टीम ने राकेश को गिरफ्तार कर लिया।

नालंदा में संदिग्ध हालत में BPM की मौत

नालंदा। के हरनौत बाजार में ब्लॉक संसाधन केंद्र के ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक (BPM) मनीष कुमार (27) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मनीष कुमार, सीतामढ़ी जिले के मूल निवासी थे।मनीष, हरनौत बाजार में NH-20 के किनारे एक किराए के चार मंजिला मकान में अकेले रहते थे। वह पिछले 2 साल से हरनौत बीआरसी में कार्यरत थे। स्थानीय शिक्षक प्रकाश चंद्र भारती ने बताया कि बुधवार कि सुबह मोहल्ले वालों ने मकान के पीछे मनीष कुमार का शव देखा। प्रशासन से हम उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। उनके सहकर्मी नवीन कुमार के अनुसार, मनीष पिछले कुछ दिनों से नौकरी को लेकर तनाव में थे। आसपास के लोगों से पता चला कि वह छत से नीचे गिर गए, जिसके कारण उनकी मौत हो गई है। दरअसल, बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के निदेर्शानुसार पूरे बिहार में आउटसोर्सिंग कर्मी जिसके अधीन BPM भी आता है। उनका 31 मार्च के बाद सेवा समाप्त कर दिया जाएगा। वहीं इस मामलें में हरनौत थाना के थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार ने कहा कि मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ भेजा गया है। मौके से शराब का पाउच भी बरामद किया गया है। FSL की टीम को भी बुलाया गया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है, आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुखिया पति-बेटे ने आवास सहायक के साथ की मारपीट

बेतिया। में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर एक मामला सामने आया है। मझौलिया प्रखंड के बखरिया पंचायत में मुखिया पति एकबाली राम और उनके बेटे ने बुधवार को आवास सहायक चंदन कुमार के साथ जमकर पिटाई कर दी। घटना बखरिया चौक की है, जहां आवास योजना में नाम जोड़ने को लेकर मुखिया पति और आवास सहायक के बीच विवाद शुरू हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि मुखिया पति और उनके बेटे ने आवास सहायक चंदन कुमार को मारना शुरू कर दिया।मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मुखिया पति और उनका बेटा आवास सहायक की पिटाई कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। मझौलिया थाना विश्वमोहन चौधरी ने बताया कि घटना सोमवार की है। मामले की जानकारी है। लेकिन अभी तक आवेदन नहीं मिला है।

हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान आज 4 विधेयक पारित किए गए

दो अन्य विधेयक पेश भी किए गए

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान आज चार विधेयक पारित किए गए। इनमें हरियाणा शव का सम्मानजनक निपटान विधेयक, 2025, हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025, हरियाणा सार्वजनिक द्युत रोकथाम विधेयक, 2025 तथा हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) संशोधन विधेयक, 2025 शामिल हैं। इसके अलावा, हरियाणा बागवानी पौधशाला विधेयक,2025 तथा अपर्णा संस्था (प्रबंधन एवं नियंत्रण ग्रहण) विधेयक, 2025 पेश भी किए गए।

हरियाणा शव का सम्मानजनक निपटान विधेयक, 2025

हरियाणा राज्य में शव के बुनियादी मानवाधिकारों को बनाए रखने और शव के सम्मानपूर्वक अंतिम निपटान के लिए और उससे संबंधित और उससे आनुषंगिक मामलों के लिए हरियाणा शव का सम्मानजनक निपटान विधेयक, 2025 पारित किया गया।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निहित ह्यह्यजीवन के अधिकार के दायरे में ह्यह्यमृतकों के अधिकार और सम्मान शामिल हैं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सम्मान और उचित व्यवहार का अधिकार न केवल जीवित व्यक्ति को बल्कि उसकी मृत्यु के बाद उसके शरीर को भी प्राप्त है। मृतक के प्रति सम्मान और आदर मानवीय गरिमा की पहचान है। मृत व्यक्ति के अधिकार और सम्मान को ध्यान में रखते हुए किसी भी व्यक्ति को शव का समय पर अंतिम संस्कार न करके किसी भी तरह का विरोध या आंदोलन करके किसी भी मांग को पूरा करने के लिए उकसाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह के विरोध के लिए शव का उपयोग न करे या न करने दे। एक कानून अर्थात हरियाणा शव का सम्मानजनक विधेयक, 2025 शव के सभ्य और समय पर अंतिम संस्कार के लिए प्रावधान करता है और परिवार के सदस्यों द्वारा शव को अस्वीकार करने और इस तरह अंतिम संस्कार से वंचित करने की स्थिति में, सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा अंतिम संस्कार किया जाता है और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए, यह विधेयक अपेक्षित है।

हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025

ट्रैवल एजेंटों की पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, अखण्डता सुनिश्चित करने और उनकी अवैध और कपटपूर्ण गतिविधियों की जांच करने और अंकुश लगाने, हरियाणा राज्य के निवासियों के हितों की रक्षा करने के लिए ढांचा स्थापित करने और उससे सम्बन्धित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और **विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया गया।**

यह देखने में आया है कि हरियाणा के निर्दोष और बेरोजगार युवाओं को नाजायज तरीकों से बड़े पैमाने पर अवैध प्रवास के जाल में फंसाया जा रहा है। बेईमान और अपंजीकृत ट्रैवल एजेंट ऐसे व्यक्तियों को विदेशों में आसान और त्वरित आप्रवासन का वादा करके धोखा देते हैं।

ये एजेंट विदेशों में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से प्रस्ताव पत्र के जरिए वर्क वीजा, वर्क परमिट, स्टडी वीजा की व्यवस्था करने का वादा करते हैं, लेकिन कई मामलों में, वे अपने वादे पूरे करने में विफल रहते हैं। कई मामलों में, ये एजेंट नकली प्रस्ताव पत्र प्रदान करते हैं और कभी-कभी नकली या गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या कॉलेज भी बनाते हैं।

वे अत्यधिक फीस वसूलते हैं और विभिन्न चरणों में बड़ी रकम की मांग करते हैं। कई बार ये एजेंट निर्दोष व्यक्तियों को अवैध तरीके से विदेश भेज देते हैं और ऐसे लोगों को उन देशों की पुलिस पकड़कर सलाखों के पीछे डाल देती है, इसलिए ऐसे ट्रैवल एजेंटों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की सख्त जरूरत है।

जनता के व्यापक हित में, एक कानून यानी हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन अधिनियम, 2025 जो कि ट्रैवल एजेंटों की गैरकानूनी और धोखाधड़ी वाली गतिविधियों की जांच एवं निगरानी करने, ऐसे लोगों को दंडित करने, कानून के अनुसार गलत काम करने वालों के लिए एक तंत्र की स्थापना करेगा और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए यह आवश्यक है।

हरियाणा सार्वजनिक द्यूत रोकथाम विधेयक, 2025

हरियाणा राज्य में सार्वजनिक द्यूत, सामान्य द्यूत घर चलाने, खेलों और चुनावों में सट्टेबाजी, खेलों में मैच फिक्सिंग या स्पॉट फिक्सिंग की रोकथाम करने , दण्ड देने के लिए और इससे सम्बन्धित या इसके आनुषंगिक मामलों के लिए उपबन्ध करने हेतु हरियाणा सार्वजनिक द्यूत रोकथाम विधेयक, 2025 पारित किया गया। भारत में द्यूत सार्वजनिक द्यूत अधिनियम, 1867 द्वारा शासित है जो एक पुराना, ब्रिटिश युग का कानून है। भारत के विधि आयोग ने अपनी 249वीं रिपोर्ट में इस कानून को अप्रचलित करार करते हुए इसे निरस्त करने की सिफारिश की है।

सभी राज्य सरकारों के पास अपने-अपने कानून बनाने की शक्ति है क्योंकि विषय वस्तु भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्य सूची में आती है और कई राज्यों ने समय-समय पर अपने सार्वजनिक द्यूत कानून बनाए हैं। भारत में अधिकांश द्यूत कानून पुराने हो चुके हैं क्योंकि उन्नत तकनीक के मद्देनजर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग के साथ द्यूत के रूप में बहुत बड़ा बदलाव आया है और सट्टेबाजी करने वाले सिंडिकेट आम जनता के वित्त के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं क्योंकि कानून का अभी तक अद्यतन नहीं किया गया है। द्यूत आयोजित करने में शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा शुरू करना जरूरी हो गया है।

इसलिए, सट्टेबाजी और द्यूत को विनियमित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य पर है।हरियाणा राज्य में सार्वजनिक द्यूत, साझा जुआघरों का संचालन, खेलों या चुनावों में सट्टा लगाना, खेलों में मैच फिक्सिंग या स्पॉट फिक्सिंग तथा इससे संबंधित या इसके आनुषंगिक या इसी प्रकार की प्रकृति के मामलों की रोकथाम और दण्ड का प्रावधान करने तथा आम जनता को ऐसी किसी गतिविधि द्वारा की गई धोखाधड़ी का शिकार होने से बचाने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए एक कानून अर्थात हरियाणा सार्वजनिक द्यूत रोकथाम विधेयक, 2025 की आवश्यकता है।

हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) संशोधन विधेयक, 2025 हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) अधिनियम, 2024 को संशोधित करने के लिए हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) संशोधन विधेयक, 2025 पारित किया गया। हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) अधिनियम, 2024 के तहत, सेवा की सुरक्षा का लाभ उन संविदात्मक कर्मचारियों को स्वीकार्य है, जिसने नियत तिथि अर्थात 15 अगस्त, 2024 को पूर्णकालिक आधार पर सरकारी संस्था में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो।

हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) अधिनियम, 2024 की धारा 3 (पप) के नीचे व्याख्या 2 में निम्नलिखित प्रावधान किया गया है। उपरोक्त प्रावधान के अनुसार नियुक्ति के वर्षों की संख्या की गणना के प्रयोजन के लिए, एक संविदात्मक कर्मचारी जिसने कैलेंडर वर्ष में कम से कम 240 दिनों के लिए पारिश्रमिक प्राप्त किया है, उसे पूरे वर्ष कार्य किया गया समझा जाएगा।

संविदात्मक कर्मचारियों ने अनुरोध किया कि नियोजन के वर्षों की संख्या की गणना के प्रयोजनों हेतु 240 दिन एक कैलेंडर वर्ष की बजाए संविदात्मक सेवा की एक वर्ष की अवधि के दौरान गिने जाए अन्यथा यदि उनकी कार्यभार ग्रहण करने की तिथि मई से दिसम्बर माह के मध्य है तो उनके कार्यभार ग्रहण करने के प्रथम कैलेंडर वर्ष की सेवा नहीं गिनी जाएगी।

इसी प्रकार, चालू वर्ष 2024 के कट-ऑफ तिथि 15 अगस्त,2024 तक 227 दिन हैं, जिसके फलस्वरूप इन वर्षों में उनकी संविदात्मक सेवा 240 दिन नहीं हो सकती है।संविदारक कर्मचारियों का अनुरोध उचित होने के वजह से इस प्रयोजन हेतु 28 दिसम्बर,2024 को मंत्रिपरिषद की बैठक में यह मामला विचारार्थ रखा गया था कि कैलेण्डर वर्ष में 240 दिन की शर्त को संशोधित कर एक वर्ष की संविदा सेवा अवधि में 240 दिन किया जाए। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया गया था।

इस प्रस्ताव को अधिनियम के माध्यम से लाने का प्रस्ताव था, किन्तु इसे विधान सभा के आगामी सत्र तक विलंबित करने से संकट एवं अनिश्चितता बढ़ जाती, जिससे विभिन्न सरकारी कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना होती। इसलिए, इस संबंध में अध्यादेश 31 जनवरी,2025 को अधिसूचित किया गया।

हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) संशोधन अधिनियम, 2025 का उद्देश्य इन कर्मचारियों के बीच संकट और अनिश्चितता को कम करना है।

गैर कानूनी तरीके से युवाओं को विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई - मुख्यमंत्री

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान लाये गए हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक 2025 पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि ट्रेवल एजेंटों की पारदर्शिता, उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने और उनकी अवैध गतिविधियों की जांच और उन पर अंकुश लगाने सहित युवाओं को उनके शोषण से बचाने के लिए यह विधेयक लाया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन में पारित होने वाले इस विधेयक को लेकर विपक्ष की क्या मंशा है इस बारे में तो उन्हें पता नहीं, लेकिन प्रदेश सरकार की मंशा स्पष्ट है कि युवाओं को गलत तरीके से विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण विधेयक का विषय युवाओं से जुड़ा हुआ है । उन्होंने बताया कि सदन में पहले भी यह विधेयक लाया गया था परंतु तीन नए कानून आने के बाद कुछ धाराओं में परिवर्तन हुआ है, इसलिए एक बार फिर से विधानसभा में इस विधेयक को लाया गया है ताकि विधेयक में कड. प्रावधान सुनिश्चित कर युवाओं को शोषण से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि विदेश जाने के लिए युवा अपनी जमीन तक बेच देते थे और असुरक्षित तरीके से उन्हें विदेश भेजने का काम किया जाता था। इस विधेयक के कानून बनाने के बाद ऐसी गैर कानूनी प्रथा पर अंकुश लगाने में सरकार को कामयाबी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत कराया कि इस विधेयक में मानव तस्करी को लेकर भी प्रावधान किया गया है। अगर कोई मानव तस्करी करने में संलिप्त पाया जाता है तो दोषी को 7 से 10 वर्ष के कारावास की सजा का प्रावधान भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विदेशी सहयोग विभाग का गठन किया गया है जिसके माध्यम से युवाओं को व्यापार, नौकरी या शिक्षा के लिए विदेश में सुरक्षित भेजने का काम किया जाएगा। इस विधेयक को लाने का उद्देश्य सभी ट्रैवल एजेंट्स का पंजीकरण करवाना है ताकि सभी एजेंट नए कानून के नियमों के तहत ही युवाओं को बाहर भेजने का काम करें और सरकार के पास भी सही जानकारी उपलब्ध हो सके।

हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक 2025 सदन में सर्वसम्मति से पारित।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार यूक्रेन में फंसे 23000 युवाओं को सुरक्षित भारत लेकर आई।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गैर कानूनी तरीकों के माध्यम से युवाओं को विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ प्रदेश सरकार द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। अब तक 127 मामले दर्ज कर 102 एजेंटों के खिलाफ एक्शन लिया गया है।

आठ ट्रैवल एजेंट को गिरफ्तार भी किया गया है ।

महिला सशक्तिकरण में मुख्यमंत्री का साथ दे रही हैं उनकी धर्मपत्नी

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। चंडीगढ़/ भव्य खबर/ प्रमोद मल्ल । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों को आगे बढ़ाने में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद ने एक अनूठी पहल की है। इस कड़ी में परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने हरियाणा सरकार के सभी मंत्रियों व विधायकों की पत्नियों को मुख्यमंत्री के आवास संत कबीर कुटीर में आमंत्रित कर कमल सखी मंच के माध्यम से चर्चा की और महिला सशक्तिकरण के लिए सुझाव मांगे। कमल सखी मंच का विचार देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के सुझाव पर शुरू किया गया क्योंकि मंत्री, विधायक, सांसद तो कार्यक्रमों के दौरान मिलते रहते हैं परंतु उनके परिवार के सदस्यों को एक मंच पर आने का अवसर नहीं मिल पाता इसलिए कमल सखी मंच का गठन किया गया। इस मंच का उद्देश्य एक पार्टी-एक परिवार की भावना को प्रोत्साहित करना है ताकि पारिवारिक सम्बन्धों को विचारों के माध्यम से मजबूत बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पवित्र माह सावन हरियाली तीज के अवसर पर जींद में एक कार्यक्रम आयोजित करवाया और महिलाओं को कौथली भेंट की। हरियाणावी संस्कृति में कौथली देने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। लड़की का परिवार अपनी ओर उसके ससुराल में तीज पर कौथली पहुंचाता है। यह भाई-बहन के रिश्तों को मजबूत करता है। यह संयोग की बात है कि गत दिवस पंचकूला में नगर निगमों, नगरपरिषदों व पालिकाओं के नव निर्वाचित मेयरों, चेयरमैनों व पार्षदों का शपथ समारोह कार्यक्रम हुआ था, जिसमें महिलाओं की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक थी। यह हरियाणा सरकार द्वारा पंचायती राज संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत की भागीदारिता सुनिश्चित करने की महिला सशक्तिकरण को प्रतिबिंबित करता है। इसके अलावा नव निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों ने हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र की कार्यवाही भी देखी। हरियाणा गठन के बाद शायद यह पहला अवसर है कि जब किसी मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी ने मंत्रियों और विधायकों की पत्नियों को एक साथ मुख्यमंत्री आवास पर आमंत्रित किया है। इस पहले भी श्रीमती सुमन सैनी समय-समय पर मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं के साथ हरियाणवी तीज त्यौहार मनाती रहती हैं।

खबर एक्सप्रेस

अमीर-गरीब... ग्रामीण-शहरी... हर किसी को होगा फायदा, पंजाब सरकार ने लिए 2 बड़े फैसले

पंजाब : पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य क्रांति की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के लोगों के लिए बड़ी घोषणा की है। पंजाब सरकार ने इस बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 2 बड़े फैसले लिए हैं। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज विधानसभा में वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए घोषणा की है कि सरकार ने स्वास्थ्य बीमा योजना को व्यापक बनाने और पंजाब के सभी 65 लाख परिवारों को कवर करने का निर्णय लिया है। ग्रामीण या शहरी, अमीर या गरीब, हर कोई इस योजना का लाभ उठा सकता है। पंजाब के इतिहास में पहली बार सीएम मान के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य बीमा योजना को आने वाले वर्ष में पंजाब के सभी 65 लाख परिवारों को कवर करने का फैसला किया है, जिसका हर कोई लाभ उठा सकता है। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि दूसरा बड़ा फैसला यह है कि हम पंजाब के सभी परिवारों के लिए बीमा कवर को सालाना 10 लाख रुपये तक बढ़ा रहे हैं। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो केंद्र सरकार की योजना के अंतर्गत आते हैं, उन्हें राज्य सरकार से 5 लाख रुपये का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत आने वाले सभी परिवारों को अगले साल 'हेल्थ कार्ड' मिलेगा, जिसके माध्यम से वे पंजाब के सरकारी और निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज करा सकेंगे। सरकार ने इस उद्देश्य के लिए 778 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है।

मामूली बात को लेकर छिड़ा विवाद, युवक ने एनआरआई महिला के साथ कर दिया खौफनाक कांड

लुधियाना : हैबोवाल के रघुवीर पार्क इलाके में एक युवक ने एन.आर.आई. महिला पर ज्वलनशील पदार्थ फैंक दिया जिस कारण वह बुरी तरह से झुलस गई। जिसे इलाज के लिए डी.एम.सी. में भर्ती करवाया गया, जहां डाक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत्त घोषित कर दिया। महिला की पहचान नरेंदरकौर के रूप में की गई है । थाना हैबोवाल की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौका मुआयना करने के बाद लाश को कब्जे में लिया । इंस्पेक्टर मधुवाला ने बताया कि मामले को लेकर कार्रवाई की जा रही है । महिला के परिजनों के बयान लेकर मामला दर्ज किया जा रहा है । सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने एक युवक को हिरासत में भी लिया है। यू.एस.ए. से आई उनकी बेटी टीपू ने बताया कि उसकी माता नरेंदर कौर अमेरिका की सिटीजन है और करीब डेढ़ साल पहले ही लुधियाना आई थी। उनके घर के नीचे रहने वाला किराएदार पिछले काफी समय से किराया नहीं दे रहा था । जिसे लेकर उनका विवाद चल रहा था । कुछ दिन पहले भी जब उसकी माता किराया लेने के लिए गई तो उसने टाल मटोल कर दिया । जिस पर उसकी माता अपने कमरे में चली गई । बाद में किसी ने उनके चिल्लाने की आवाज सुनी तो ऊपर जाकर देखा कि वह बुरी तरह से झुलसी हुई थी जिसे उन्होंने इलाज के लिए डी.एम.सी. पहुंचाया । पुलिस का कहना है कि परिवार के अनुसार वह अपने कमरे को लॉक लगा कर रखती थी, लेकिन इस बात को लेकर जांच की जा रही है उनके कमरे का ताला किस तरह से खुला। इस बात को लेकर भी पता लगाया जा रहा है कि उनके शरीर पर कौन-सा पदार्थ फैंका गया था।

जालंधर में जारी हुए नए आर्डर, 2 महीने तक लगी सख्त पाबंदी

जालंधर : शहर में सख्त पाबंदी के आदेश जारी किए गए हैं। जिला मैजिस्ट्रेट कम-डिप्टी कमिश्नर जालंधर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जालंधर के अधिकार क्षेत्र को 'नो ड्रोन जोन' घोषित किया है। उन्होंने कहा कि, शहर में ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) उड़ान पर तत्काल प्रभाव से सख्त प्रतिबंध होगा। आदेश में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए यूएवी/ड्रोन के उपयोग में शामिल पुलिस और सशस्त्र बलों को भी निर्देश दिया गया है कि वे यूएवी/ड्रोन की तैनाती से पहले इस कार्यालय को सूचित करें। यह आदेश 21 मार्च 2025 को इसकी घोषणा की तारीख से अगले 2 महीने तक लागू रहेगा।

पंजाब कैबिनेट मीटिंग में बड़े ऐलान, राज्य में इस एक्ट को लागू करने की मंजूरी

पंजाब : एक तरफ जहां वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पंजाब का बजट पेश किया तो वहीं सीएम भगवंत मान केबिनेट के साथ अहम मीटिंग की है। इस मीटिंग में अवैध माइनिंग को रोकने के लिए ऐतिहासिक फैसला लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने पंजाब रैगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स एक्ट, 2025 को लागू करने को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने पंजाब विधानसभा के चल रहे सत्र के दौरान इस एक्ट को पेश करने को भी मंजूरी दे दी। यह एक्ट रेत और बजरी के प्रॉसेसिंग में लगे क्रशर इकाइयों और स्क्रीनिंग प्लांटों की गतिविधियों को विनियमित करने के लिए विभाग को मजबूत करेगा। इससे राज्य में अवैध माइनिंग को रोकने और वैध माइनिंग कार्य चलाने में मदद मिलेगी।

भारतीय स्टाम्प एक्ट, 1899 में संशोधन को मंजूरी

कैबिनेट ने पंजाब में व्यापार अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 में संशोधन को भी मंजूरी दी है। जानकारी के मुताबिक, इस संशोधन का उद्देश्य पंजाब में व्यावसायिक लागत को कम करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इस एक्ट के तहत यदि किसी व्यक्ति ने पहले ही ऋण पर स्टाम्प शुल्क का भुगतान कर दिया है और बाद में मार्गेज प्रॉपर्टी में बदलाव किए बिना प्रॉपर्टी तबदील करता है, तो उससे कोई अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा यदि नए ऋण की राशि पिछली राशि से अधिक है, तो शुल्क केवल अतिरिक्त राशि पर ही लगाया जाएगा।

> एक तरफ जहां वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पंजाब का बजट पेश किया तो वहीं सीएम भगवंत मान केबिनेट के साथ अहम मीटिंग की है।

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें :

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें :

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें :

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें :

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्वद्दद्दह्न ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

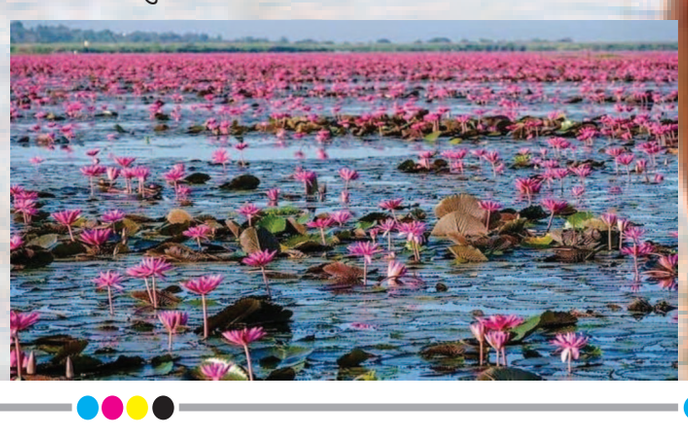

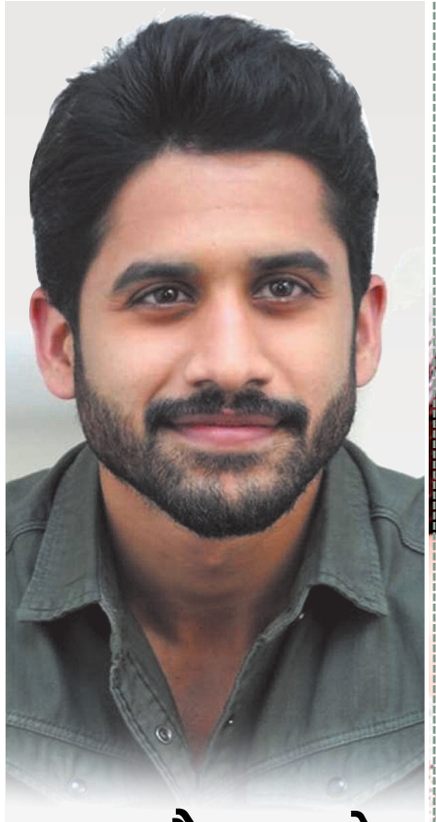

नागा चैतन्य ने अपनी 25वीं फिल्म की साइन? करेंगे किशोर की फिल्म

नागा चैतन्य ने फिल्म तंडेल में अपने शानदार अभिनय से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म उनके करियर की 100 करोड़ रुपये कमाने वाली हिट फिल्म रही और इस फिल्म से उनके फिल्मी करियर को एक नई दिशा भी मिली। कथित तौर पर नागा जल्द ही डेब्यू डाइरेक्टर किशोर के साथ अपनी 25वीं फिल्म की घोषणा करने वाले हैं। इन दिनों नागा साउथ निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडु के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। नागा जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग के खत्म होते ही अपने 25वें प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर देंगे। नागा चैतन्य ने नए डायरेक्टर किशोर के साथ यह फिल्म साइन की है।

नागा की 25वीं फिल्म के डाइरेक्टर होंगे किशोर?

जानकारी के अनुसार, डेब्यू डाइरेक्टर किशोर की फिल्म में नागा चैतन्य को कहानी सुनते ही अपना किरदार बेहद पसंद आया और उन्होंने उनकी फिल्म करने के लिए तुरंत हामी भर दी है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हो सकता है की नागा आने वाले दिनों में इस फिल्म की घोषणा भी कर दें।

नागा की फिल्म तंडेल रही हिट

नागा चैतन्य और साईं पल्लवी की हिट फिल्म तंडेल सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, तंडेल 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में रिलीज की जा चुकी है। इसकी घोषणा करते हुए ओटीटी पार्टनर नेटफ्लिक्स ने लिखा था, सरहदों के पार का सफर, हदों से परे की कहानी। तंडेल को 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में देखें।

ओटीटी पर भी उपलब्ध है तंडेल

तंडेल फिल्म श्रीकाकुलम के मछुआरों से जुड़ी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है, जो अनजाने में पाकिस्तानी जलक्षेत्र में चले गए थे। तंडेल का निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया है। इसकी पटकथा उन्होंने ही लिखी है और कहानी कार्तिक थीडा की है। नागा चैतन्य ने फिल्म में राजू का किरदार निभाया है और फिल्म की अभिनेत्री साई पल्लवी ने सत्या की भूमिका से सभी का दिल जीता लिया है।

बिना सपोर्ट इंडस्ट्री में हूं, चैलेंजिंग रोल पसंद हैं

पूर्व मिस इंडिया वर्ल्ड पूजा चोपड़ा जल्द ही खाकी द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज में दिखेंगी। उनसे सीरीज और करियर समेत पर्सनल लाइफ पर हुई खास बातचीत...

आपका किरदार सीरीज में क्या है और इस शो से कैसे जुड़ीं?

किरदार के बारे में मोटा-मोटा यही बता सकती हूं कि बहुत ही ज्यादा रेलेवेंट किरदार है। मेरा किरदार बहुत ही मॉडर्न इंडिपेंडेन्ट और इंटेलिजेंट घरेलू लड़की का है। इसके लिए जब मुझे कॉल आई तो मैं थाईलैंड में थी और बर्थडे सेलिब्रेट कर रही थी। कास्टिंग डायरेक्टर ने कहा कि ये नीरज पांडे सर का प्रोजेक्ट खाकी 2 है। तो मैं बहुत ही ज्यादा एक्साइटेड हो गई क्योंकि मैंने इसका पहला पार्ट देखा हुआ था।

काम पाने के लिए सेल्फ अप्रोच रहता है या ऑफर्स खुद आते हैं?

मैं आउटसाइडर हूं। यहां मेरा कोई गॉडफादर नहीं है जो मुझे पार्टीज में या फिर ब्रेकफास्ट में इंट्रोड्यूस कराएंगे। जिन डायरेक्टर्स के साथ मैं काम करना चाहती हूं। उन्हें आगे से मैसेज करती हूं कि मैंने आपकी ये फिल्म देखी या आपकी बड़ी फैन हूं।

जिस कॉज के तहत ब्यूटी विथ द पर्पस टाइटल मिला था। क्या वह अब भी करती हैं?

मैं आज भी उस कॉज (नन्हीं कली) के लिए मदद करती हूं। उस कॉज के तहत उन बच्चियों की मदद की जाती है जिन्हें उनके पैरेंट्स छोड़ देते हैं। मैं इससे इसलिए भी जुड़ी हूं क्योंकि मेरे खुद के पिता ने मुझे एक समय एक्सेप्ट करने से मना कर दिया था क्योंकि उन्हें लड़का चाहिए था।

करियर में अब तक की सफलता को लेकर क्या कहेंगी?

चाहे किसी के लिए अच्छा हो या न हो पर मुझे पता है कि मैंने जो किया है, जहां मैं बैठी हूं वो अपने दम पर किया है। एक वक्त हमें दो वक्त की रोटी नसीब नहीं थी। आज मैं मुंबई में मेरी मां का सपना पूरा करके खुद का घर लेकर बैठी हूं। आज हम मां को विदेश ले जाते हैं हॉलिडे मनाने। ऐसा मेरी मां ने 40 साल पहले तो सोचा भी नहीं था कि मेरी बेटियां इतनी बड़ी हो जाएंगी कि मुझे प्राउड फील कराएंगी। बाकी मुझे हमेशा से चैलेंजिंग रोल करने पसंद हैं।

शादी के बाद फिल्मों में वापसी करेंगी अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी को लेकर खबर है कि वह अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित एक आगामी प्रोजेक्ट में मेगास्टार चिरंजीवी के साथ काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अनाम फिल्म में अदिति राव हैदरी को मुख्य अभिनेत्री तौर पर कास्ट किया जाएगा। यह साउथ अभिनेता सिद्धार्थ के साथ उनकी शादी के बाद पहली फिल्म होगी।

विश्वंभरा की शूटिंग में व्यस्त हैं चिरंजीवी

चिरंजीवी फिलहाल वशिष्ठ द्वारा निर्देशित और यूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित विश्वंभरा के निर्माण में व्यस्त हैं। फिल्म के शानदार विजुअल ट्रीट की उम्मीद है और इसे जल्द ही रिलीज किए जाने की संभावना है। विश्वंभरा की शूटिंग पूरी करने के बाद चिरंजीवी एक अन्य फिल्म के लिए निर्देशक श्रीकांत ओडेला के साथ काम करेंगे। रविपुडी के साथ उनकी अगली फिल्म बेहद खास होगी

तेलुगु सिनेमा में अदिति की वापसी

अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ से शादी के बाद से किसी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। हालांकि, अगर वह चिरंजीवी की फिल्म में भूमिका निभाती हैं तो इसका मतलब होगा कि यह उनके लिए तेलुगु सिनेमा में वापसी होगी और शादी के बाद उनकी पहली बड़ी फिल्म भी होगी। प्रशंसक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में उनके शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। आखिरी बार हीरामंडी में नजर आई थीं अदिति अदिति राव हैदरी को आखिरी बार नेटफ्लिक्स की हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखा गया था, जो 2024 की हिंदी भाषा की पीरियड ड्रामा सीरीज है। यह संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित है। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है। इसमें मनीषा कोइराला , सोनाक्षी सिन्हा और ऋचा चड्ढा जैसे कई सितारे शामिल थे।

अक्षय कुमार के साथ दोस्ती पर जॉन अब्राहम का खुलासा

जॉन अब्राहम ने अपने करियर में कई चर्चित सितारों के साथ काम किया है। अक्षय कुमार भी लिस्ट में हैं। जॉन अब्राहम और अक्षय कुमार ने साथ में काम कर दर्शकों का काफी मनोरंजन किया है। दोनों सितारे गरम मसाला और देसी बॉयज जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। दर्शक दोनों को एक बार फिर साथ में देखना चाहते हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान जॉन अब्राहम ने खिलाड़ी के साथ काम करने की संभावनाओं पर बात की।

अक्षय के साथ काम करना हॉलीडे मनाने जैसा

जॉन अब्राहम ने अक्षय कुमार के साथ दोबारा काम करने की संभावनाओं पर चुप्पी तोड़ी। उनसे जब गरम मसाला और देसी बॉयज के सीक्वल के बारे में पूछा गया तो एक्टर ने कहा, हां, हम दोनों में से किसी एक या दोनों फिल्मों को बनाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि वे मजेदार होंगी। मेरे लिए अक्षय के साथ काम करना छुट्टी मनाने जैसा है। वे एक अच्छे इंसान हैं, इसलिए हम अच्छा समय बिताएंगे।

कॉमेडी फिल्में करना है पसंद

जॉन ने अक्षय के साथ अपनी मजबूत केमिस्ट्री के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि दो अभिनेताओं के बीच अक्षय और मेरे जैसी केमिस्ट्री है। इसके अलावा जॉन अब्राहम ने कहा कि उन्हें कॉमेडी फिल्में करना सबसे ज्यादा पसंद है। एक्टर ने कहा, मुझे कॉमेडी पसंद है। जब आप थिएटर जाते हैं, तो आप हंसना चाहते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि कॉमेडी मजेदार होती है।

खुद को बताया अक्षय से ज्यादा पाबंद

इसके अलावा जॉन अब्राहम ने अक्षय कुमार के साथ अपनी दोस्ती पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनकी और अक्षय कुमार का लाइफस्टाइल एक जैसा है। जॉन ने कहा, हम दोनों जल्दी उठते हैं। हम दोनों जल्दी सोते हैं। वह वाकई बहुत अनुशासित है। मेरा मानना है कि मैं थोड़ा ज्यादा अनुशासित हूं। जॉन ने मजाकिया अंदाज में आगे कहा, लेकिन अनुशासित होने का काम उन्हीं पर छोड़ देते हैं। अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आ रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन कर रही है।

महिलाओं की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए काम

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा जल्द ही अपने गृहनगर मध्य प्रदेश जाने वाली हैं, जहां वे उन महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने वाली उनकी एक खास पहल का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने यह पहल साल 2024 में शुरू की थी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करती है। उनका कहना है कि वे हमेशा से अपने माध्यम का इस्तेमाल अगली पीढ़ी की महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए करना चाहती थीं। कृतिका ने कहा, मेरी मां मध्य प्रदेश से हैं, इसलिए मेरे लिए इस जगह से गहरा और व्यक्तिगत जुड़ाव है। बचपन में उन्होंने मुझे चंदेरी और उसके खूबसूरत लोगों और कपड़ों की कारीगरी से परिचित कराया। उन्होंने कहा, जब हमने शुरुआत की थी, तो हमारा बड़ा लक्ष्य और कोशिश थी कि राज्य की महिलाओं, खासकर इस क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार दें, उन्हें सशक्त बनाएं और उनके काम को सामने लाएं। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि रोजगार बढ़ाएं, इन महिलाओं को अपनी पहचान दें और उन्हें उचित कीमतों का अधिकार दिलाएं, ताकि उनकी जिंदगी बेहतर हो सके। उन्होंने आगे कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अपनी आवाज का इस्तेमाल महिलाओं की अगली पीढ़ी को ऊपर उठाने के लिए करना चाहिए। हम आगे बढ़ने के साथ-साथ अधिक से अधिक महिलाओं के साथ काम करना जारी रखेंगे और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करेंगे। बता दें कि कृतिका उन प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ समय बिताने की योजना बना रही हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। कृतिका अवसर प्रदान करने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के योगदान को पहचानने के महत्व को समझती हैं, खासकर मध्य प्रदेश के चंदेरी में गहरी सांस्कृतिक जड़ें रखने वाले हथकरघा और कपड़ा उद्योगों में।

इंडो-अमेरिकन फिल्म के लिए साथ आए मनोज बाजपेयी-राणा दग्गुबाती

पिंजर (2003) की रिलीज के बाद मनोज बाजपेयी अभिनेता फ्रैंक लैंगेला के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म में अभिनय करने वाले थे, लेकिन यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हुआ। दो दशक से अधिक समय बाद मनोज बाजपेयी ने अपनी फिल्मोग्राफी में एक इंडो-अमेरिकन फिल्म को जोड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अब अमेरिकी फिल्म निर्माता बेन रेखी द्वारा निर्देशित एक अनाम हिंदी सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था।

मनोज बाजपेयी की पहली इंडो-अमेरिकन फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का निर्माण राणा दग्गुबाती ने किया है, जो मनोज बाजपेयी के साथ उनका पहला सहयोग है। यह कथित तौर पर मनोज बाजपेयी की पहली इंडो-अमेरिकन फिल्म भी होगी। बेन रेखी इस अनाम नाटक की कहानी लिखी है। यह कहानी मनोज बाजपेयी द्वारा अभिनीत एक आम आदमी पर आधारित है, जिसकी पारिवारिक कठिनाइयां उसे एक उद्देश्य के लिए लड़ने के लिए मजबूर करती हैं।

राणा दग्गुबाती कर रहे फिल्म का निर्माण

मिड-डे की रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की कहानी परिवार की यात्रा के माध्यम से एक सामाजिक मुद्दे को उजागर करेगी। इस फिल्म की शूटिंग पिछले साल मुंबई में हुई थी और इसके कलाकारों में शहर के कुछ थिएटर कलाकार भी शामिल हैं। राणा दग्गुबाती का प्रोडक्शन हाउस स्पिरिट मीडिया इस प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहा है।

फिल्म की कहानी

अभिनेता-निर्माता राणा दग्गुबाती और मनोज बाजपेयी पिछले कुछ वर्षों में डिस्कवरी प्लस शो के जरिए एक-दूसरे से मिले थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह राणा के प्रोडक्शन और लॉस एंजिल्स स्थित बैनर के बीच सहयोग है। मनोज एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जिसका परिवार मुसीबत में फंस जाता है और उसे एक मुद्दे के लिए लड़ना पड़ता है। निर्माता रिलीज योजना को अंतिम रूप देने तक इस फिल्म को गुप्त रख रहे हैं।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी संग शादी पर की खुलकर बात

अभिनेता करण कुंद्रा ने खुलकर बात की। बातचीत के दौरान तेजस्वी प्रकाश के साथ अपनी शादी को लेकर उन्होंने कई जानकारी भी शेयर किए। एक पुराने वीडियो का जिक्र करते हुए करण ने शादी की क्या योजना है इस पर मजाकिया अंदाज में बताया, मुझे लगता है कि वह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) था। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि जब समय आएगा, तो मैं इसके बारे में सोचना शुरू कर दूंगा। मैं यह भी विचार करूंगा कि शादी का आयोजन बड़े या फिर छोटे पैमाने पर होगा। करण ने बताया कि तेजस्वी मेरे लिए बेहद खास है। करण और तेजस्वी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, जैसा कि तेजस्वी की मां ने हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के एक एपिसोड में पुष्टि की थी। जब फराह खान ने तेजस्वी की मां से पूछा, दोनों की शादी कब होगी? तो उन्होंने उत्साह से जवाब दिया, इसी साल शादी हो जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।